दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 320

ग्वालियर, मंगलवार 09 अगस्त 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

नैनो न्यूज

महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार आज

14 मंत्रियों को दिलाई जा सकती है शपथ
शिंदे ने सभी दौरे रद्द किए, सचिवालय कर्मियों की भी छुट्टी कैंसिल

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में सीएम एकनाथ शिंदे के शपथ ग्रहण के 39 दिन बाद यानी मंगलवार को मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। इसकी तैयारियों की सुगबुगाहट भी शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, कैबिनेट विस्तार को देखते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को अपने सभी दौरे रद्द कर दिए हैं। वे नांदेड और हिंगोली जाने वाले थे। वहीं सचिवालय कर्मचारियों की मुहर्रम की छुट्?टी भी कैंसिल कर दी गई है। बताया जा रहा है कि मंत्रिमंडल में कुल 14 मंत्री शामिल होंगे। इनमें भाजपा और शिंदे गुट से 7-7 मंत्रियों को शपथ दिलाने की तैयारी है। एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस ने 30 जून को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

2022 में भारतीय एथलीट्स का रहा बोलबाला

हासिल किए 61 मेडल, 22 गोल्ड पर किया कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी । मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारत ने जबरदस्त प्रदर्शन किया. इस साल हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने कुल 61 पदक अपने नाम किए. इनमें 22 स्वर्ण, 16 रजत और 23 कांस्य पदक शामिल हैं. भारत को सबसे ज्यादा मेडल कुश्ती और वेटलिफ्टिंग से आए हैं. भारतीय पहलवानों ने कुश्ती में 12 पदक दिलाए हैं और वेटलिफ्टर्स ने 10 मेडल झोली में डाले हैं. बॉक्सिंग में भी भारत को 7 पदक मिले हैं. वहीं बैडमिंटन में भारत को 3 गोल्ड मेडल मिले हैं। आपको बता दें कि कॉमनवेल्थ गेम्स की मेडल टैली में भारत चौथे स्थान पर रहा. भारत ने इस बार कुल कुल 61 पदक अपने नाम किए. इनमें 22 स्वर्ण, 16 रजत और 23 कांस्य पदक शामिल हैं. भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया ने 177 पदक 66 गोल्ड, 57 सिल्वर, 54 ब्रॉन्ज जीतकर पहला स्थान हासिल किया. वहीं 172 मेडल के साथ इंग्लैंड दूसरे और 92 मेडल के साथ कनाडा तीसरे स्थान पर रहा। एशिया कप 2022 के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है. मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा की अगुआई वाली चयन समिति की सोमवार को मुंबई में हुई बैठक के बाद 15 सदस्यीय भारतीय स्क्वॉड को अंतिम रूप दिया गया. भारतीय टीम में विराट कोहली और केएल राहुल की वापसी हुई है. वहीं बुमराह चोट के चलते टीम का पार्ट नहीं हैं।

भारत छोड़ो आंदोलन की बरसी पर पातालपानी में टंट्या मामा और जानापाव में भगवान परशुराम को प्रणाम करेंगे कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री कमलनाथ भारत छोड़ो आंदोलन की बरसी पर 9 अगस्त को पातालपानी में तात्यां मामा और जानापाव में भगवान परशुराम को प्रणाम करेंगे। भारत छोड़ो आंदोलन की बरसी से स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा सम्मान महोत्सव और आदिवासी सम्मान उत्सव मनाएगी कांग्रेस। आज़ादी की आजादी हीरक जयंती वर्ष पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी आदिवासी क्षेत्रों में तिरंगा सम्मान महोत्सव एवं पदयात्रा कार्यक्रम का आयोजन करेगी। 9 अगस्त से 15 अगस्त आयोजित किए जाने वाले इस तिरंगा महोत्सव व पदयात्रा की शुरुआत मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ आदिवासी बलिदानी वीर तंत्या भील की जन्मभूमि इंदौर के पातालपानी से करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश में उक्त कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु जिला कांग्रेस कमेटियों को निर्देशित किया गया है। श्री कमलनाथ इंदौर में आदिवासी बलिदानी नेता टंट्या भील की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर तिरंगा सम्मान महोत्सव का शुभारंभ करेंगे।

हर घर तिरंगा: अपनी आज़ादी को हम हरगिज़ मिटा सकते नहीं, सर कटा सकते हैं, लेकिन सर झुका सकते नहीं!

सर कटा सकते हैं, लेकिन सर झुका सकते नहीं!

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ देकर हम बने नं- 1 : सीएम शिवराज

भारत सरकार का रनर अप अवार्ड लेने के बाद अस्पतालों के कायाकल्प में अव्वल आएँ

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमेशा प्रथम रहे, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जाएँ। भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को पुरस्कृत करने की उपलब्धि के साथ आवश्यक है कि इस दिशा में निरंतर उत्कृष्ट कार्य होता रहे।

मध्यप्रदेश में नागरिकों को अच्छी सेवाएँ देने वाली स्वास्थ्य संस्थाओं को पुरस्कृत करने की योजना अमल में लाई गई है। चिकित्सक ही पीड़ित मानवता की सबसे बड़ी सेवा करते हैं। कोरोना काल में चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने लोगों की अद्भुत सेवा की है। यह समाज का महत्वपूर्ण वर्ग है। श्रेष्ठ कार्य करने वाले चिकित्सक और अन्य कर्मचारी भविष्य में भी पुरस्कृत किए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री

चौहान ने पुरस्कृत स्वास्थ्य संस्थाओं को बधाई देते हुए इसी भावना से कार्य करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह में स्वास्थ्य विभाग के संपूर्ण कायाकल्प अभियान के शुभारंभ और कायाकल्प पुरस्कार वितरण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सम्पूर्ण कायाकल्प अभियान में आज 66 करोड़ रूपये की राशि प्रदेश की स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रभारियों के खातों में ट्रांसफर की। इस राशि से स्वास्थ्य संस्थाओं के बेहतर रख-रखाव और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अन्य आवश्यक कार्य करवाए जा सकेंगे।

सामग्री खरीद में बचत सराहनीय

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अस्पतालों का कायाकल्प करने की योजना जनता के लिए उपयोगी होगी। कार्य पद्धति में बदलाव की शुरूआत हो चुकी है। नवीन प्रणाली के संचालन के फलस्वरूप सामग्री की खरीदी में 37 करोड़ रूपये से अधिक की बचत हुई है। यह सुशासन और स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रभावी सुधार की इच्छा शक्ति का प्रतीक है। श्रेष्ठ करने की चाह अच्छे परिणाम ही दिलवाती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अस्पतालों में हेल्प डेस्क का संचालन भी किया जाए। चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ रोगियों और उनके परिजन से अधिक प्रेम से पेश आएँ।

धूमेश्वर धाम

सिंध नदी की धार में बह गए पिता पुत्र

रेस्क्यू कर बचाया सूचना पर तत्काल पहुँचीं होमगार्ड की टीम

ग्वालियर । क्षेत्र के प्रसिद्ध एवं प्राचीन धूमेश्वर महादेव मंदिर के पास से निकली सिंध पर हुए हादसों में कई लोग मौत के शिकार हो चुके हैं। इसके बाबजूद भी लोगों की लापरवाही कम नहीं हुई है। जिसका एक उदाहरण सोमवार को उस समय सामने आया है। जब पिता पुत्र नदी में नहाते समय पानी की तेज धार में बह गए। जिन्हें कड़ी मशक्कत कर होमगार्ड की टीम ने बचाया। जानकारी के अनुसार भितरवार नगर के वार्ड क्रमांक 1 घाटमपुर निवासी बालकिशोर और उसका पुत्र नंदकिशोर सोमबार को धूमेश्वर महादेव मंदिर के पास निकली सिंध नदी में नहा रहे थे। इसी दौरान इनमें से एक पानी की गहराई में चला गया। जिसे बचाने दूसरा भी पानी मे कूंद गया। बताते हैं कि इस दौरान दोनों पिता पुत्र पानी के तेज बहाब में बहते चले गए। अपने आपको बचाने में असहाय दिखे इन दोनों को देख आसपास के लोगों ने इसकी सूचना मंदिर पर तैनात होमगार्ड की टीम को दी। जिस पर तत्काल मौके पर पहुँचे। होमगार्ड कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर पानी की धार में गोता लगाते बह रहे दोनों पिता पुत्र को बाहर निकाला।

खाटूश्याम जी में भगदड़, 3 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी ।

सोमवार सुबह 5 बजेज1 लाख भक्त खाटूश्यामजी में बाबा श्याम के दर्शन के लिए लाइन में लगे हुए थे। 5 घंटे इंतजार के बाद जैसे ही पट खुले, भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में 3 महिलाओं की मौत हो गई और 4 लोग गंभीर घायल हैं।

3 महिलाओं की मौत के बाद जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी निभाने की रस्मों में जुट गए हैं। एसपी कुंवर राष्ट्रदीप ने खाटू थानाधिकारी एसआई रिया चौधरी को सस्पेंड कर दिया है। वहीं सरकार ने मामले की जांच संभागीय आयुक्त विक्रम सीताराम भाले से कराने के आदेश दिए हैं।

लेकिन जांच किसकी?

मौत की, भगदड़ की या हत्या की?

खाटूश्यामजी में 3 महिलाओं की मौत हादसा नहीं, हत्या थी। पुलिस-प्रशासन और मंदिर कमेटी की लापरवाही

और मिस मैनेजमेंट के कारण भगदड़ मची। भास्कर टीम खाटूश्यामजी पहुंची और मामले में पड़ताल की। इंवेस्टिगेशन रिपोर्ट में पढ़िए कैसे प्रशासन और मंदिर कमेटी की लापरवाही 3 महिलाओं की मौत की वजह बन गई।

आंखों देखी

अचानक भीड़ आई और बुआ को रौंदती हुई आगे बढ़ गई

मंदिर में भगदड़ मचने के पास भी पुलिस के पास स्थिति कंट्रोल करने के लिए कोई एक्शन प्लान नहीं था। भगदड़ में जमीन पर गिरे लोगों को भीड़ पैरों तले कुचलती हुई आगे बढ़ रही थी। 65 साल की माया देवी भगदड़ के कारण गिर गई थीं। उनके भतीजे की बहू रश्मि ने बताया कि वे रविवार रात 9 बजे दर्शन के लिए आए थे। रात को खाना खाने के बाद 12 बजे लाइन में लग गए थे। 5 घंटे में मंदिर के पास जिगजैग में पहुंचे थे। तभी पीछे से अचानक भीड़ का रेला आया। धक्का लगने पर बुआ नीचे गिर गईं। धक्का-मुक्की के कारण हम पीछे रहे गए। भीड़ उन्हें रौंदती रही। हमने बहुत ढूंढ़ा, लेकिन बुआ का पता नहीं लगा। बाद में किसी ने बताया कि भगदड़ में कुछ लोगों की मौत हो गई, तब हम अस्पताल पहुंचे।

'गालीबाज' श्रीकांत त्यागी का गॉडफादर कौन ?

भंगेल में 60 दुकानें, नोएडा अथॉरिटी में भी सांठगांठ...

'गालीबाज' श्रीकांत त्यागी के पास कितनी दौलत?

नई दिल्ली, एजेंसी। नोएडा की ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में महिला से बदसलूकी करने के आरोपी श्रीकांत त्यागी की तलाश में छापेमारी चल रही है. इसके साथ ही श्रीकांत त्यागी की कुंडली खंगाली जा रही है. श्रीकांत त्यागी मूल रूप से नोएडा के भंगेल का रहने वाला है. वह भंगेल में पला-बढ़ा है। भंगेल पहुंचकर पता किया तो सामने आया कि भंगेल में उसकी लगभग 60 दुकानें हैं. यहीं श्रीकांत त्यागी का सोर्स ऑफ इनकम है. त्यागी का यहां सिर्फ एक धर्म कांटा है, बाकी दुकानें किराए पर दे रखी हैं। 'गालीबाज' त्यागी का 30 साल से किराएदार सिराजुद्जीन का दावा है कि वह बीजेपी से ही जुड़ा है. बीएसपी के साथ त्यागी ने अपना पॉलिटिकल करियर शुरू किया था. वह स्वामी प्रसाद मौर्य का भी करीबी है. स्वामी के साथ ही वह बीजेपी में शामिल हुआ था. गाजियाबाद से दो बार विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट की भी कोशिश की।

स्वामी प्रसाद मौर्य का था आना - जाना

किराएदार ने बताया कि स्वामी प्रसाद मौर्य अक्सर श्रीकांत त्यागी के घर आते थे. स्वामी प्रसाद मौर्य ने जब बसपा छोड़कर बीजेपी का दामन थामा था, तभी श्रीकांत भी बीजेपी में शामिल हो गया था।

संत समाज के कारण ही हमारी संस्कृति सुरक्षित: डॉ. मिश्रा

संत समागमः पंडोखर सरकार और बागेश्वर धाम सरकार पहली बार एक मंच पर

दतिया में आयोजित 6 दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण व बागेश्वर धाम सरकार की हनुमंत कथा का हुआ समापन

भोपाल/दतिया। दतिया में पिछले 6 दिनों से चल रहा पार्थिव शिवलिंग निर्माण व बागेश्वर धाम सरकार की हनुमंत कथा के धार्मिक अनुष्ठान का सोमवार को समापन हो गया। समापन ऐतिहासिक हो गया क्योंकि

पहली बार पण्डोखर सरकार श्री गुरुशरण जी व बागेश्वर धाम सरकार पं.धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एक मंच पर नजर आए। इस धार्मिक अनुष्ठान के सूत्रधार व प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने सफल आयोजन के लिए दतिया वासियों सहित सभी सहयोगियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि संत समाज के कारण ही हमारी संस्कृति, हमारी सभ्यता आज तक सुरक्षित है।

गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि आज हमारा सौभाग्य है कि पण्डोखर सरकार श्री गुरुशरण जी महाराज व बागेश्वर धाम सरकार पं. धीरेंद्र कृष्णशास्त्री दोनो एक साथ इस धार्मिक महानुष्ठान में उपस्थित है। आप दोनो संत तो हारे के सहारे है । जो भी परिवार से परेशान है ,बीमारी से परेशान है आप की शरण में आता है। आप की शरण में आने भर से उसके कष्ट दूर हो जाते है। उन्होंने कहा कि वैसे तो मनुष्य की व्यथा और हनुमंत कथा अनंत है,लेकिन जो इसे समझ गया वो आप जैसा संत है। संत का आना और बसंत का आना एक जैसा है।

फेयरवेल पर नायडू ने सुनाया किस्सा

जब पीएम मोदी ने फोन पर बोला-'आप उपराष्ट्रपति बनने वाले हैं, मेरी आंखों में आंसू थे...'

राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू को सोमवार को संसद में विदाई दी गई. इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदाई भाषण दिया और नायडू के कार्यकाल को याद किया. पीएम ने कहा कि ये सदन के लिए बहुत ही भावुक पल हैं. इस सदन को नेतृत्व देने की आपकी जिम्मेदारी भले ही पूरी हो रही हो, लेकिन आपके अनुभवों का लाभ भविष्य में हमें लंबे समय तक मिलता रहेगा।

नई दिल्ली , एजेंसी ।

विदाई कार्यक्रम में वेंकैया नायडू ने एक किस्सा सुनाया. उन्होंने कहा कि मैंने अपने जीवन में कभी किसी के पैर नहीं छुए हैं. उन्होंने 5 साल पहले पीएम नरेंद्र मोदी के उस फोन कॉल का भी जिक्र किया, जिसमें पार्टी की तरफ से नायडू को उपराष्ट्रपति के लिए चुना गया था. नायडू ने कहा कि जिस दिन पीएम मोदी ने फोन कर बताया कि मुझे उपराष्ट्रपति के लिए चुना जा रहा है, तब मेरी आंखों में आंसू आ गए. ये आंसू

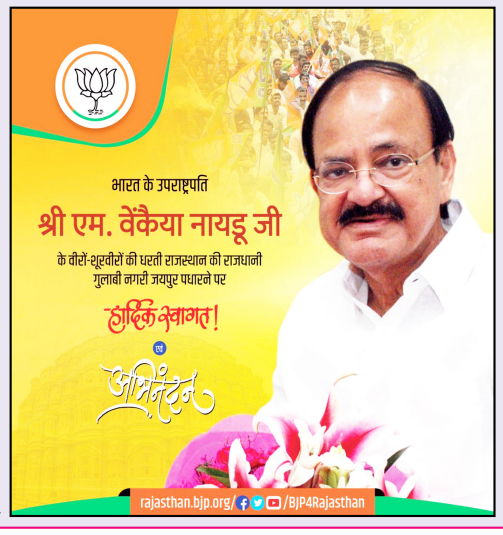

सिर्फ इस बात पर आ रहे थे कि मुझे अपनी पार्टी छोड़नी पड़ेगी।

नायडू ने कहा कि लोकतंत्र में बहुमत हमेशा प्रबल होता है, लेकिन विपक्ष को कहना चाहिए और सरकार को उन्हें आगे आने के लिए अनुमति देनी चाहिए. अंततः बहुमत लोकतंत्र में फैसला करता है. मैं पद्म पुरस्कार के बारे में एक बात से खुश हूं और कैसे सरकार ने गैर-मान्यता प्राप्त लोगों को मान्यता दी. राजनीति में कोई शॉर्ट कट नहीं होता. आपमें धैर्य होना चाहिए और मेहनत करनी चाहिए. लोगों के पास जाओ, उन्हें जागरूक करो और दूसरों की सुनो. तुष्टिकरण किसी का नहीं होना चाहिए, सबका सम्मान किया

वाघा बॉर्डर पर हमले में शामिल टीटीपी कमांडर मारा गया

30 लाख डॉलर का इनामी था उमर खालिद खुरासानी, अफगानिस्तान में कार ब्लास्ट में मौत

नई दिल्ली, एजेंसी । पाकिस्तान तहरीक-ए-तालिबान का संस्थापक कमांडर उमर खालिद खुरासानी उर्फ अब्दुल वली मोहम्मद रविवार को एक धमाके में मारा गया। वह अफगानिस्ताान के पक्तिका प्रांत में मौजूद था। ब्लास्ट के वक्त खुरासानी कार में सफर कर रहा था। कार में खुरासानी के साथ टीटीपी के दो और कमांडर मुफ्ती हसन और हाफिज दौलत खान भी सवार थे। धमाके में सभी मारे गए। कार में ब्लास्ट कैसे हुआ, इसका पता नहीं चल पाया है। अमेरिका ने खुरासानी पर 30 लाख डॉलर का इनाम रखा था।

खुरासानी के साथ दो और कमांडर कार में मौजूद थे। उनकी कार में धमाका कैसे हुआ, इसका पता नहीं चल पाया।खुरासानी के साथ दो और कमांडर कार में मौजूद थे। उनकी कार में धमाका कैसे हुआ, इसका पता नहीं चल पाया।

पहले भी आई थीं मरने की खबरें

बहुत कम उम्र में जिहाद शुरू करने वाला खुरासानी कश्मीर में भी एक्टिव रहा था। पहले भी कई बार उसकी मौत की खबरें आईं, लेकिन गलत निकलीं।

न्यूज़ ट्रैक....

प्रीमियर बैडमिंटन लीग के छठवें सत्र का आगाज 17 दिसंबर से होगा

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के अध्यक्ष हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि प्रीमियर बैडमिंटन लीग (पीबीएल) के छठे सत्र का आगाज 17 दिसंबर से होगा और 14 जनवरी तक स्पर्धा आयोजित होगी। कोविड-19 महामारी के कारण लीग दो साल के ब्रेक के बाद वापसी करेगी। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा- हम पीबीएल की वापसी से रोमांचित हैं। यह भारतीय बैडमिंटन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसने देश में खेल के विकास में योगदान दिया है। लीग के पिछले पांच सत्र में साइना नेहवाल, पीवी सिंधू और किदांबी श्रीकांत जैसे भारतीय सितारों के साथ-साथ दुनिया के सबसे बड़े बैडमिंटन खिलाड़ियों ने भाग लिया है जिसमें ओलंपिक चैंपियन कैरोलिना मारिन, विक्टर एक्सेलसन, ताई त्जू-यिंग और ली चोंग वेई जैसे नाम शामिल है।

मेरे और कोच राहुल द्रविड़ के विचार सामान हैं कि टीम को कैसे आगे बढ़ाना हैं : रोहित

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है, कि पिछले साल टी20 विश्व कप में लचर प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम अपने रवैये और दृष्टिकोण में परिवर्तन लाने के लिए मजबूर हुई। रोहित अब ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के आगामी सत्र में टीम की अगुवाई करने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन इससे पहले टीम को एशिया कप में खेलना है। रोहित ने बताया कि हमने दुबई में टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह नहीं बनाने के बाद स्पष्ट कर दिया था कि हमने महसूस किया कि हम अपना खेल कैसे खेलते हैं, इस बारे में हमारे रवैये और दृष्टिकोण में बदलाव की जरूरत है। भारत गत चैंपियन के रूप में एशिया कप में उतरेगा जिसे टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। टीम इंडिया ने पिछले कुछ महीनों में अधिक आक्रामक बल्लेबाजी शैली अपनाई है और रोहित ने बताया कि टीम आगामी चुनौतियों के लिए कैसे तैयार हो रही है। उन्होंने कहा, अगर कप्तान और कोच से यह संदेश स्पष्ट है कि टीम कहां जाने की कोशिश कर रही है, तब हर खिलाड़ी निश्चित रूप से ऐसा करने की कोशिश करेगा। ऐसा करने के लिए उन्हें स्वतंत्रता और स्पष्टता की आवश्यकता है और यही हम करने की कोशिश कर रहे हैं। हम उन्हें ज्यादा से ज्यादा आजादी देने की कोशिश कर रहे हैं। इतने सारे युवा नेतृत्वकर्ताओं की मौजूदगी में टीम की कप्तानी करने के अपने अनुभव के बारे में पूछने पर रोहित ने कहा, 'मुझे पता है कि टीम में इतने सारे नेतृत्वकर्ता तैयार करना रोमांचक है, क्योंकि यह हमेशा एक अच्छा संकेत है।

अन्नू रानी जैवलिन थ्रो में मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला बनीं

नई दिल्ली । देश की स्टार जैवलिन थ्रोअर अन्नू रानी ने कॉमनवेल्थ गेम्स में इतिहास रच दिया। उन्होंने इन खेलों में महिला जैवलिन थ्रो का ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर एथलेटिक्स में भारत के खाते में एक और पदक जोड़ा। यूपी के मेरठ से ताल्लुक रखने वालीं अन्नू 60 मीटर दूर भाला फेंकते हुए तीसरे नंबर पर रहीं। इस स्पर्धा के गोल्ड और सिल्वर मेडल ऑस्ट्रेलिया के खाते में गया। केल्सी ली बारबर ने सोने का तमगा हासिल किया, वहीं मैकेंजी लिटिल ने सिल्वर मेडल जीता। टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकीं अन्नू ने अपने चौथे प्रयास में 60 मीटर दूर भाला फेंका।

राष्ट्रमंडल खेल : महिला क्रिकेट में स्वर्ण पदक से फिसले पर सिल्वर जीत रचा इतिहास

बर्मिंघम । राष्ट्रमंडल खेल 2022 में महिला क्रिकेट टीम कीर्तिमान रचते-रचते चूक गई और उसे सिल्वर पर ही संतुष्ट होना पड़ा। कॉमनवेल्थ गेम्स में पहली बार क्रिकेट को शामिल किया गया था। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय महिला टीम ने सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास तो रच ही दिया। इससे पहले 1998 में पुरुष क्रिकेट को भी गेम्स में जगह मिली थी, तब भारतीय टीम मेडल नहीं जीत सकी थी। फाइनल में टी20 की वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को रोमांचक मुकाबले में 9 रन से हराया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले खेलते हुए 8 विकेट पर 161 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम 152 रन बनाकर सिमट गई। हरमनप्रीत ने शानदार अर्धशतक जड़ा। भारतीय टीम यहां गोल्ड जीत सकती थी, लेकिन उसकी ये 5 गलती उस पर भारी पड़ी।

1-रेणुका सिंह ने मैच के तीसरे ओवर में एलिसा हीली का बड़ा विकेट हासिल कर लिया था। 6 ओवर के पावरप्ले के बाद स्कोर 43 रन था, लेकिन अगले 4 ओवर में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 40 रन बना दिए, जो अंत में निर्णायक साबित हुआ।

2-हरमनप्रीत कौर ने 7वें से 10वें ओवर के बीच 4 ओवर के लिए 4 गेंदबाजों को आजमाया। इस कारण कंगारू टीम के बल्लेबाज लय पक?ने में कामयाब रहे। 7वें ओवर में राधा यादव ने 3, 8वें ओवर में स्नेह राणा ने 8, 9वें ओवर में पूजा वस्त्राकर ने 12 और 10वें ओवर में हरमनप्रीत ने 17 रन दिए।

3- 12वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने ताहिला मैक्ग्रा का ब?ा विकेट लिया। वे आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। इसके बाद भी उनके 4 ओवर तीन स्पेल में पूरे कराए गए। कंगारू टीम ने अंतिम 5 ओवर में 36 रन बनाए।

4- लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 22 रन पर ही अपने दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए। इस कारण टीम दबाव में आ गई थी। गेम्स में 2 अर्धशतक लगाने वाली स्मृति मंधाना ने 6 और आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 11 रन बनाए।

5- हरमनप्रीत कौर और जेमिम रोड्रिग्ज ने तीसरे विकेट के लिए 96 रन की बड़ी साझेदारी करके टीम की मैच में वापसी करा दी थी। लेकिन टीम ने अंतिम 8 विकेट 34 रन पर गंवा दिए। इस कारण टीम लक्ष्य से 9 रन दूर रह गई। भारतीय बल्लेबाज स्पिनर्स को अच्छे तरीके से नहीं खेल सके और उन्हें 4 विकेट लिए। 3 खिलाड़ी रन आउट भी हुईं।

रत आज 5 स्वर्ण पदकों के लिए खेलेगा

भारत के खिलाड़ियों ने राष्ट्रमंडल खेलों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए अब तक 55 पदकों को देश की झोली में डाल दिया है। लगातार छठे गेम्स में हम 50 से अधिक मेडल जीतने में सफल रहे हैं। इसमें 18 गोल्ड, 15 सिल्वर और 22 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। आज भारतीय खिला?ी 3 खेलों के फाइनल में उतरेंगे। ऐसे में हमें 5 गोल्ड और मिल सकता है। बैडमिंटन के महिला सिंगल्स के फाइनल में पीवी सिंधु जबकि पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन उतरेंगे। वहीं डबल्स के फाइनल में सात्विक साईराज रेंकी रेड्डी और चिराग शेट?टी की जोड़ी अपना दमखम दिखाएगी। वहीं टेबल टेनिस के पुरुष एकल के खिताबी मुकाबले में शरत कमल उतरेंगे। वहीं ब्रॉन्ज के लिए जी साथियान मि?ेंगे। दूसरी ओर पुरुष हॉकी के फाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया आमने-सामने होंगे। गेम्स की बात करें, तो उसने अब तक 18 गोल्ड जीते हैं। वहीं कनाडा 26 गोल्ड के साथ तीसरे नंबर पर है। यदि भारत आज सभी 5 गोल्ड जीत भी लेता है, तो तीसरे नंबर पर नहीं पहुंच सकेगा। 2018 में भारत 26 गोल्ड सहित 66 मेडल के साथ तीसरे नंबर पर रहा था। इसमें 7 गोल्ड सहित 16 मेडल शूटिंग से आए थे। यानी लगभग 25 फीसदी मेडल। लेकिन इस बार गेम्स से शूटिंग को बाहर कर दिया गया था। फिर भी भारतीय खिला?ी 60 मेडल तक पहुंच सकते हैं। भारत ने अब तक 12 खेलों में मेडल जीते हैं। सबसे अधिक 12 मेडल कुश्ती में मिले हैं। इसमें 6 गोल्ड भी शामिल है।

टीम इंडिया टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद सीरीज में रही अपराजेय

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज दौरे पर गई टीम इंडिया ने एक दिवसीय श्रंखला के बाद टी20 सीरीज में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला बीते शनिवार को फ्लोरिडा के लॉडरहिल स्थित सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में खेला गया। इस मुकाबले को भारतीय टीम ने 59 रन से अपने नाम करते हुए सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है। फिलहाल भारतीय टीम जारी सीरीज में 3-1 से आगे है।

वेस्टइंडीज दौरे पर टी20 सीरीज में मिली सराहनीय जीत के बाद भारतीय टीम की चारो तरफ जमकर सराहना हो रही है। टीम इंडिया को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद से एक भी टी20 सीरीज में शिकस्त नहीं मिली है। टीम को पहले पहल न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 से जीत मिली। इसके बाद टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 और श्रीलंका के खिलाफ भी सीरीज को 3-0 से अपने नाम किया। इन मुकाबलों के बाद भारतीय टीम ने अफ्रीकी टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज को 2-2 से ड्रा करवाया। इसके बाद ब्लू आर्मी को आयरलैंड दौरे पर 2-0 और इंग्लैंड दौरे पर 2-1 से सफलता हाथ लगी। इन सीरीज के बाद भारतीय टीम अब वेस्टइंडीज दौरे पर है। टीम को यहां भी क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सफलता हाथ लगी है।

भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद इन मुकाबलों में मिली जीत

भारत बनाम न्यूजीलैंड : भारत 3-0 से विजयी
भारत बनाम वेस्टइंडीज : भारत 3-0 से विजयी
भारत बनाम श्रीलंका : भारत 3-0 से विजयी
भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका : पांच की टी20 सीरीज 2-2 से ड्रा
भारत बनाम आयरलैंड : भारत 2-0 से विजयी
भारत बनाम इंग्लैंड : भारत 2-1 से विजयी
भारत बनाम वेस्टइंडीज : पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारतीय टीम 3-1 से आगे

बर्मिंघम में महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले रेस में भाग लेती हुई खिलाड़ी।

संदीप कुमार ने पुरुषों की 10000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता

नई दिल्ली । भारतीय एथलीट संदीप कुमार ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों की 10000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता। ओलंपियन संदीप कुमार ने पुरुषों की 10,000 मीटी रेस वॉक इवेंट में अपना पर्सनल बेस्ट समय निकाला। उन्होंने 38 मिनट 49.21 सेकेंड के साथ पोडियम फिनिश किया। स्पर्धा का गोल्ड मेडल कनाडा के इवान डंफी के खाते में गया। इवान ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ पीला तमगा हासिल किया। उन्होंने 38 सेकेंड 36.37 सेकेंड का समय निकाला। वहीं ऑस्ट्रेलिया के डेवलन टिंगे ने सिल्वर मेडल जीता। डेवलन ने 38 मिनट 42.33 सेकेंड के साथ रजत पदक जीता। इस स्पर्धा में भारत के अमित भी हिस्सा ले रहे थे। अमित 43 मिनट 04.97 सेकेंड के साथ नौवे स्थान पर रहे। न्यूजीलैंड के क्रेटीन रेउ 5000 मीटर के बाद रेस से डिक्वालीफाई हुए। इसके बाद रेस में सिर्फ 9 एथलीट ही शेष थे।

अमेरिका में भारतीय स्पिनर्स ने मेजबान टीम को छकाया

नई दिल्ली । अनेरिकी की धरती पर भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन कर वेस्टइंडीज की टीम को करारी शिकस्त दी। पांच मैचों की टी20 सीरीज को भारतीय टीम ने 4-1 से अपने नाम कर लिया है। प्रतिष्ठित सीरीज का आखिरी मुकाबला बीते रविवार को लॉडरहिल स्थित सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम टर्फ ग्राउंड में खेला गया। इस मुकाबले में भारतीय टीम को 88 रनों से बड़ी जीत मिली। टीम इंडिया के लिए इस मुकाबले में पहले पहल श्रेयस अय्यर (64) और दीपक हुडा (38) ने बल्लेबाजी के दौरान कमाल दिखाया। इसके बाद गेंदबाजी के दौरान स्पिनरों ने मेजबान टीम कि पूरी बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया।

वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी टी20 मुकाबले में अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और रवि बिश्नोई की स्पिन तिकड़ी जबर्दस्त लय में नजर आई। टीम के लिए अक्षर पटेल और कुलदीप यादव ने जहां तीन-तीन विकेट चटकाए। वहीं युवा बिश्नोई ने सर्वाधिक चार विकेट लेने में सफलता प्राप्त की।

बता दें भारतीय स्पिनरों ने अपनी इस उम्दा गेंदबाजी के बाद इतिहास रच दिया है। दरअसल भारतीय टीम के स्पिनर टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में पहली बार विपक्षी टीम के 10वों खिलाड़ियों को आउट करने में सफल रहे। यानि इस मुकाबले से पहले किसी भी टीम के स्पिनर विपक्षी टीम के सभी खिलाड़ियों को आउट नहीं कर पाए थे। पांचवें टी20 मुकाबले से पहले एक मुकाबले की एक पारी में सात बार स्पिनरों ने नौ विकेट लेने का कारनामा किया था, लेकिन पूरी टीम को आउट करने में वो सफल नहीं हो पाए थे। भारतीय स्पिनरों ने साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मीरपुर में नौ विकेट चटकाए थे। हालांकि टीम उस दौरान भी 10 विकेट चटकाने से महज एक विकेट दूर रह गई थी।

व्यापार न्यूज

सोने में गिरावट, चांदी में मजबूती

नईदिल्ली । मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोमवार को सोना वायदा में नरमी जबकि चांदी के भावों में बढ़त का रुख देखा जा रहा है। ऊपरी स्तरों से बिकवाली की वजह से सोने में नरमी का रुख है। वहीं निचले स्तरों पर खरीदारी बढ़ने से चांदी के भावों को सहारा मिला है। एमसीएक्स सोना अक्टूबर वायदा 25 रुपए की कमजोरी के साथ 51,849 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता हुआ देखा गया है। वहीं एमसीएक्स चांदी सितंबर वायदा 42 रुपए की तेजी के साथ 57,406 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता हुआ देखा गया है। बता दें पिछले हफ्ते शुक्रवार को सोना अक्टूबर वायदा 51,874 रुपए प्रति ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी सितबंर वायदा 57,364 रुपए प्रति किल पर निपटा था।

डॉलर के मुकाबले रुपया 22 पैसे टूटा

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी के चलते रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे टूटकर 79.46 पर आ गया। मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की आवक जारी रहने से रुपए की गिरावट को थामने में कुछ मदद मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 79.50 पर कमजोर रुख के साथ खुला। हालांकि, शुरुआती सौदों में गिरावट में कुछ भरपाई करते हुए 79.46 पर आ गया। इस तरह रुपया पिछले बंद के मुकाबले 22 पैसे टूटकर कारोबार कर रहा था। पिछले सत्र में रुपया डॉलर के मुकाबले 16 पैसे बढ़कर 79.24 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत गिरकर 106.57 पर आ गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.45 प्रतिशत बढ़कर 95.35 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,605.81 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

रेपो रेट बढ़ते ही बैंकों ने लोन पर ब्याज दरें बढ़ाई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को रेपो रेट आधा फीसदी बढ़ाई थी। इसके बाद से ही बैंकों ने लोन पर ब्याज दरें बढ़ाना शुरू कर दिया है। रेपो रेट वह दर होती है, जिस पर बैंक आरबीआई से पैसा उधार लेते हैं। इसे प्रमुख ब्याज दर के नाम से भी जानते हैं। बैंकों के लिए आरबीआई से कर्ज महंगा हुआ तो उन्होंने ग्राहकों के लिए लोन पर ब्याज दरें बढ़ाना शुरू कर दिया। कई बैंकों में एक्सटर्नल बेंचमार्क के साथ लिंक होने के कारण रेपो रेट बढ़ते ही लोन पर ब्याज दरें बढ़ जाती हैं। जिन कर्जदाताओं ने अपनी दरों में बदलाव किया है, उनमें आईसीआईसीआई बैंक, केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और पंजाब नेशनल बैंक शामिल हैं। इन बैंकों ने रेपो रेट से जुड़ी बाहरी बेंचमार्क दरों को समायोजित किया है। आईसीआईसीआई बैंक की वेबसाइट के अनुसार बाहरी बेंचमार्क उधार दर 9.1 फीसदी है। यह बैंक होम लोन पर 8.1 फीसदी ब्याज दर की भी पेशकश कर रहा है। बैंक ऑफ बड़ौदा में की ब्याज दरें- बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा है कि 6 अगस्त से एएए-रेटेड संस्थाओं के लिए रेपो-लिंक्ड लेंडिंग रेट के तहत सबसे कम दर 7.6 फीसदी होगी। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, होम लोन की दरें 7.95 फीसदी से 9.3 फीसदी के बीच हैं।

एसबीआई ग्राहकों के लिए भी बढ़ जाएंगी दरें- एसबीआई की वेबसाइट अभी भी 7.55 फीसदी (15 जून, 2022 से प्रभावी) से शुरू होने वाली पुरानी होम लोन दरें दिखा रही हैं। जबकि मौजूदा उधारकर्ताओं के लिए दरें 0.50 फीसदी बढ़ जाएंगी। बैंक ने अभी तक दरों की नई सूची की घोषणा नहीं की है।

रेपो रेट से जुड़े सभी लोन्स पर बढ़ेंगी दरें: आरबीआई के फैसले के बाद अब रेपो रेट से जुड़े सभी लोन्स पर ब्याज दरें बढ़ जाएंगी। अधिकांश होम लोन रेपो रेट से लिंक्ड होते हैं। इसलिए होम लोन के ग्राहकों पर बड़ा असर पड़ने वाला है। ब्याज दरों में बढ़ोतर से उन्हें ईएमआई में अधिक रकम चुकानी होगी। वहीं बैंकर्स का कहना है कि दरों में इजाफे का लोन डिमांड पर असर नहीं पड़ेगा। बता दें कि दो साल से कोविड के चलते रही मंदी के बाद कर्ज की मांग बढ़ी है।

नहीं गिरेगी होम लोन की डिमांड- एसबीआई के अध्यक्ष दिनेश खारा ने कहा कि उन्हें चालू वित्त वर्ष के दौरान क्रेडिट ग्रोथ के 15 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। बैंक आक्रामक रूप से जमा नहीं बढ़ा रहा है, क्योंकि इसका क्रेडिट-डिपॉजिट रेश्यो 63 फीसदी है, जो इसे अपनी लोन बुक में इजाफा करने का अवसर देता है। एचडीएफसी के वीसी और सीईओ केकी मिस्त्री ने भी कहा कि उन्हें दरों में बढ़ोतरी के कारण होम लोन की मांग में गिरावट की उम्मीद नहीं है।

शेयर बाजार की मामूली तेजी के साथ शुरुआत

सेंसेक्स 110 अंक चढ़ा, निफ्टी 17,400 से ऊपर

मुंबई । वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच एमएंडएम, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी जैसे शेयरों में बढ़त के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को शुरुआती कारोबार में 110 अंक से अधिक बढ़ गया। सेंसेक्स हालांकि कमजोर रुख के साथ खुला, लेकिन शुरुआती सौदों में गिरावट की भरपाई करते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सूचकांक 111.88 अंक बढ़कर 58,499.81 पर पहुंच गया। व्यापक एनएसई निफ्टी 25.70 अंक बढ़कर 17,423.20 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में सबसे अधिक दो प्रतिशत की बढ़त महिंद्रा एंड महिंद्रा में हुई। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और मारुति बढ़त दर्ज करने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईसीआईसीआई बैंक में गिरावट हुई।

बीएसई सेंसेक्स पर शुरुआती कारोबार में एसबीआई के अलावा कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एशियन पेंट, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, टीसीएस, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, एचडीएफसी, आईटीसी, सन फॉर्मा, टाटा स्टील और एचयूएल के शेयरों में लाल निशान के साथ कारोबार हो रहा था। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में सोमवार को सबसे ज्यादा 1.45 फीसदी का उछाल देखने को मिला. वहीं शुरुआती कारोबार में पावरग्रिड के शेयरों में 0.78 फीसदी, डॉक्टर रेड्डीज, टाइटन, भारती एयरटेल, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक और विप्रो के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी के साथ कारोबार हो रहा था।

अमेरिका और यूरोप के बाजार में गिरावट रही

मुंबई । पिछले सप्ताह लगातार तेजी बनाने के बाद अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में गिरावट देखी जा रही है। पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल नेस्डेक पर 0.50 फीसदी का नुकसान दिख रहा था। अमेरिका की तर्ज पर यूरोप के शेयर बाजार भी दबाव में चल रहे और पिछले सत्र में यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज 0.65 फीसदी के नुकसान पर बंद हुआ था, जबकि फ्रांस का शेयर बाजार 0.63 फीसदी के नुकसान पर बंद हुआ।

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अंबानी का पारिश्रमिक शून्य था : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी ने लगातार दूसरे साल अपनी कंपनी रिलायंस से कोई वेतन नहीं लिया। आरआईएल ने अपनी ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अंबानी का पारिश्रमिक शून्य था। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने जून 2020 में स्वेच्छा से 2020-21 के लिए अपने वेतन को छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने कोरोना वायरस महामारी के चलते यह फैसला किया, जिसने देश के आर्थिक और औद्योगिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाला। अंबानी ने 2021-22 में भी अपना वेतन नहीं लिया। उन्होंने इन दोनों वर्षों में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में अपनी भूमिका के लिए रिलायंस से किसी भी भत्ते, अनुलाभ, सेवानिवृत्ति लाभ, कमीशन या स्टॉक विकल्प का लाभ नहीं उठाया।

शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 98,235 करोड़ रुपए बढ़ा

नई दिल्ली । शेयर बाजार में पिछले कुछ समय से जारी सकारात्मक रुख के बीच देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ ने मिलकर पिछले सप्ताह अपनी बाजार पूंजी में 98,234.82 करोड़ रुपए का इजाफा किया है। इसमें आईटी सेक्टर की बड़ी कंपनियों इंफोसिस और टीसीएस को सबसे अधिक फायदा हुआ है। इंफोसिस का मार्किट कैप 28,170.02 करोड़ रुपए बढ़कर 6,80,182.93 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने 23,582.58 करोड़ रुपए जोड़े, जिससे इसका मूल्यांकन 12,31,362.26 करोड़ रुपए हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का बाजार मूल्य17,048.21 करोड़ रुपए बढ़कर 17,14,256.39 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक की कुल पूंजी 13,861.32 करोड़ रुपये बढ़कर

5,83,261.75 करोड़ रुपए हो गई है। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 6,008.75 करोड़ रुपए बढ़कर 4,34,748.72 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 5,709.2 करोड़ रुपये बढ़कर 4,42,157.08 करोड़ रुपये हो गया। जबकि, भारतीय स्टेट बैंक का वैल्यूएशन 2,186.53 करोड़ रुपये बढ़कर 4,73,584.52 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का मूल्यांकन 1,668.21 करोड़ रुपए बढ़कर 6,21,220.18 करोड़ रुपए हो गया। वहीं दूसरी तरफ एचडीएफसी का एम-कैप 4,599.68 करोड़ रुपए घटकर 4,27,079.97 करोड़ रुपए रह गया। जबकि एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 4,390.73 करोड़ रुपये घटकर 7,92,860.45 करोड़ रुपए रहा। बता दें कि पिछले सप्ताह शेयर बाजार में उतार चढ़ाव का दौर देखने को मिला। महंगाई पर काबू पाने और रुपए में बड़ी गिरावट को रोकने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट बढ़ाने के बाद शुक्रवार को इक्विटी बेंचमार्क मामूली रूप से उच्च स्तर पर समाप्त हुआ। पिछले सप्ताह अंतिम कारोबारी सत्र में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 89.13 अंक या 0.15 प्रतिशत बढ़कर 58,387.93 पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में कमजोर कारोबार

मुंबई । एशिया के ज्यादातर शेयर बाजार सोमवार को कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सिंगापुर का स्टॉक एक्सचेंज 0.40 फीसदी की गिरावट पर कारोबार कर रहा था, जबकि जापान का निक्केई 0.15 फीसदी के नुकसान पर था। इसी तरह ताइवान के शेयर बाजार में 0.74 फीसदी और दक्षिण कोरिया में 0.44 फीसदी का नुकसान देखा गया। चीन का शंघाई कंपोजिट भी 0.01 फीसदी के नुकसान पर दिख रहा है। भारतीय शेयर बाजार पर विदेशी निवेशकों का भरोसा एक बार फिर दिखने लगा है और वे लगातार निवेश कर रहे हैं। पिछले सत्र में भी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार में 1,605.81 करोड़ रुपए का निवेश किया।

फिल्म 'लाइफ इन मेट्रो' की दीवानी हैं जाह्नवी कपूर

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर इरफान खान के निधन को एक साल हो गया है. एक्टर का निधन 29 अप्रैल 2020 में हुआ था. हाल ही में एक्टर की पहली पुण्यतिथि थी. ऐसे में इस दुखभरे दिन को सेलेब्स ने याद किया था. अलग अलग तरीके से सेलेब्स ने इरफान के नाम संदेश लिखे. इसी लिस्ट में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर भी शामिल है. बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने इरफान खान को फिल्म देखकर याद किया है. सभी को पता है एक्टर ने अपने करियर में एक से एक नायाब फिल्मों में काम किया था. जाह्नवी कपूर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर इरफान खान की 'लाइफ इन मेट्रो' फिल्म के एक सीन की तस्वीर शेयर की है. तस्वीर में इरफान ही नजर आ रहे हैं. वह तस्वीर में हंसते हुए नजर आ रहे हैं. वहीं, एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने तस्वीर शेयर करके फिल्म को 'आइकोनिक' बताया है. लाइफ इन ए मेट्रो 2007 में रिलीज हुई थे. ये एक मल्टी स्टारर फिल्म थी. फिल्म में इरफान के रोल को काफी ज्यादा सराहना मिली थी. इरफान खान को फैंस आखिरी बार 'अंग्रेजी मीडियम' में देखा था. इस फिल्म को लिए इरफान को बेस्ट एक्टर का फिल्म फेयर मिला है. 29 अप्रैल 2000 को न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमर से एक्टर की जान चली गई थी. इरफान के निधन की खबर ने हर किसी को हिलाकर रख दिया था. कैंसर होने के बाद से इरफान ने खुद को मीडिया से पूरी तरह से दूर रखा था. इन दिनों जाह्नवी कपूर का एक बिकिनी का फोटोशूट सुर्खियों में हैं. हालांकि एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर सफाई दी है कि ये फोटोशूट उनका कोविड लॉकडाउन के पहले का है. फोटोशूट में वह बहुत ही हॉट लुक में कहर ढाती दिख रही हैं. जाह्नवी कपूर के काम की बात करें तो धड़क एक्ट्रेस को हाल ही में फैंस ने फिल्म रूही में देखा था. इस फिल्म में वह पहली बार एक दम अलग अंदाज में नजर आई थीं. यही कारण है कि एक्ट्रेस की हर किसी ने काफी तारीफ भी की है. फिल्म में जाह्नवी कपूर के साथ राजकुमार राव नजर आए थे. रूही थिएटर में रिलीज हुई थी और इस फिल्म में अच्छा खासा कलेक्शन भी किया था. अब जाह्नवी दोस्ताना 2 में नजर आएंगी. हालांकि कार्तिक आर्यन को फिल्म से जब से बाहर किया गया है एक्ट्रेस के ऊपर भी तलवार लटकी हुई है।

रिलीज हुआ जरीन खान की फिल्म हम भी अकेले तुम भी अकेले का ट्रेलर

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जरीन खान आने वाले दिनों में कई प्रोजेक्ट में नजर आने वाली है। उनकी अगली फिल्म हम भी अकेले तुम भी अकेले हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री जरीन खान के साथ अंशुमान झा भी मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। हम भी अकेले तुम भी अकेले फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है लेकिन इससे पहले मेकर्स ने इसका ट्रेलर रिलीज कर दिया है। हम भी अकेले तुम भी अकेले के ट्रेलर देखने में काफी हद तक शानदार है और लोग इस फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद अब इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों की होती है, जो एक दूसरे के साथ ट्रिप पर जाते हैं। हालांकि अभिनेत्री जरीन खान के किरदार का नाम मानसी और अंशुमान के किरदार का नाम वीर होता है। अभिनेता अंशुमान झा जहां फिल्म में में एक गे के रोल में नजर आते हैं वहीं अभिनेत्री जरीन खान इस फिल्म में एक लैसबियन के रोल में दिखाई देती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस फिल्म हम भी अकेले तुम भी अकेले की कहानी एलजीबीटी कम्युनिटी पर आधारित है। जिसमें मेकर्स का मकसद ये एलजीबीटी कम्युनिटी के प्यार और उनकी दोस्ती के एहसास को देश की जनता के सामने पेश करने का है। जिससे लोग उनकी भी फिलिंग्स को समझ सके। फिल्म में अंशुमान और एक दूसरे के साथ खुलकर मस्ती करते हुए नजर आते हैं। हम भी अकेले तुम भी अकेले फिल्म जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। हालांकि फिल्म कब रिलीज होगी इसका खुलासा भी हो गया है। फिल्म इसी 9 मई को रिलीज होगी। फिल्म का ट्रेलर काफी ज्यादा शानदार है जिसको देखने के बाद फिल्म के प्रति दर्शक उत्साहित होते नजर आएंगे।

भविष्य में खुशहाल भूमिकाएं करना पसंद करूंगी : श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी को खुशहाल भूमिकाएं करना पसंद है। यह एक अहसास है जो उन्होंने आगामी वेब सीरीज 'ये कैसी काली आंखें' की शूटिंग के दौरान हुआ है। श्वेता ने कहा, मुझे ड्रामा पसंद है , जिसे पहले स्थापित किया जाता है। लेकिन मैं भविष्य में और भी खुशहाल भूमिकाएं करना पसंद करूंगी। उन्होंने कहा कि मुझे ये एहसास तब हुआ जब 'ये काली काली आंखे' के सेट पर मुझे एक कॉलेज सीन में सिर्फ खुश रहना था और प्यार करना था। श्वेता ने कहा, इसमें मेरा रोल बिल्कुल वैसा ही है जैसी में रीयल लाइफ में हूं और रहना चाहती हूं, एकदम सादा और खुशहाल। अपने सह कलाकार ताहिर राज भसीन के बारे में वह कहती हैं, ताहिर सुपर समर्पित हैं। वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं और मैंने जिन बेहतरीन सह अभिनेताओं के साथ काम किया है ताहिर उनमें से एक है।

आभा पौल के तस्वीरों ने बढ़ा दी इंटरनेट पर तापमान

आप सभी ने वेब सीरीज गंदी बात जरूर देखी होगी. इसके अंदर अभिनेत्री आभा पौल के बोल्ड अंदाज ने सभी का तापमान बढ़ा दिया था. हाल ही में इस मुंबई बेस्ट मॉडल की कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर तापमान बढ़ा रही है और इनकी यह तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही है. इंडियन ड्रेस में इन्होंने जिस प्रकार की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है उनको देखकर हर कोई दंग रह गया है. इस अभिनेत्री को 3डी और गंदी बात फिल्म के जरिए बहुत ही ज्यादा पॉपुलरईटी मिली थी और इनकी फिल्म कामसूत्र को भी बहुत ही ज्यादा पॉपुलरईटी मिली थी. इस फिल्म को आप फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाया जाने वाला है. हाल ही में इनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. अल्ट बालाजी की वेब सीरीज गंदी बात के जरिए यह अभिनेत्री काफी ज्यादा चर्चा में आई थी. उसके बाद से उनके हॉट अंदाज़ पर हर किसी की नजरें टिकी होती है. इनकी एक फिल्म कामसूत्र को कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जाने वाला है. ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम करने के साथ ही साउथ इंडियन सिनेमा की कई बोल्ड फिल्म में अपने किरदार की वजह से उन्होंने अच्छा नाम कमाया है. इसके अलावा इनको कहीं कमर्शियल टीवी एड्स में भी देखा जा सकता है. इन मुंबई में ही हुआ था और उन्होंने अपनी पढ़ाई श्री हंसराज इंटर कॉलेज से की थी. एक्टिंग में शौक होने की वजह से 2019 में आई वेब सीरीज गंदी बात के दूसरे एपिसोड में इन्होंने जो मामी का किरदार निभाया था वह काफी ज्यादा पॉपुलर हुआ था और लोगों को काफी ज्यादा पसंद आया था. इनको डांस करने का और ट्रेवलिंग करने का बहुत ही ज्यादा शौक है. सोशल मीडिया पर ही बहुत ही ज्यादा एक्टिव रहती है और अपनी हॉट तस्वीरें अपने फैंस के लिए शेयर करती रहती है. कई मशहूर फैशन डिजाइनर के साथ मिलकर भी काम किया है जिनमें मुख्य रुप से मनीष मल्होत्रा और रितु बेरी के नाम शामिल है. यह एक सुपरमॉडल है जिन्होंने तनिष्क ज्वेलरी के लिए भी बहुत ही अच्छे कमर्शियल एड्स बनाए हैं तो आपको यह तस्वीरें कैसी लगी कमेंट के जरिए जरूर।

अब हिंदी में भी 'दृश्यम 2' करेगी धमाल, क्या फिर से अजय देवगन चलाएंगे जादू?

मलयालम हिट फिल्म 'दृश्यम 2' का खुमार फैंस के सिर पर अभी तक चढ़ कर बोल रहा है. अब फैंस को फिल्म से जुड़ी एक और खुशखबरी सुनने को मिल गई है. अपार सफलता के बाद अब हिंदी में 'दृश्यम 2' बनाने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी गई है. इस बात की जानकारी दी गई है कि फिल्म के हिंदी के राइट्स खरीद लिए गए हैं.

फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से इस बात की जानकारी दी है. इस बात की जानकारी दी गई है कि कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक की प्रोडक्शन हाउस 'पनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल' ने 'दृश्यम 2' के रीमेक के राइट्स खरीद लिये हैं. आपको बता दें कि जल्द ही फिल्म के डॉयरेक्टर और उसके स्टार कास्ट को लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी कर सकते हैं. हालांकि अभी ये साफ नहीं हुआ है कि फिल्म अब कौन कौन से स्टार्स नजर आएंगे।

पनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के कुमार मंगत पाठक का कहना है कि हमारा फर्ज बनता है कि हम भी फिल्म को उसी शानदार तरीके से पेश करें.जबति मलयालम फिल्म 'दृश्यम 2' के प्रोड्यूसर एंटनी पेरुम्बवूर ने कहा कि मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई है कि फिल्म कई दूसरे भाषाओं में यह फिल्म बनने जा रही है.

आपको बता दें कि 2015 में दृश्यम रिलीज हुई थी. इस फिल्म अजय देवगन और तब्बू लीड रोल में नजर आए थे. फिल्म को पर्दे पर अपार सफलता मिली थी. फिल्म बड़ी हिट हुई थी. अब फिर का सेकेंड पार्ट फैंस के सामने पेश किया जाएगा. फैंस को 'दृश्यम 2' का काफी लंबे समय से इंतजार था।

फरहान अख्तर की फिल्म 'तूफान' की रिलीज टली

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर इन दिनों अपनी आगामी रिलीज को तैयार फिल्म 'तूफान' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. ऐसे में अब एक्टर की इस फिल्म को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है. खबर है, कि इस फिल्म की रिलीज को कुछ दिनों के लिए पोस्टपोन कर दिया गया है. फिल्म की टीम ने ये फैसला कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए लिया है. फिल्म की टीम ने इसके लिए एक अधिकारिक पोस्ट किया है. इस फिल्म के डायरेक्टर राकेश ओमप्रकाश मेहरा जाने माने फिल्म निर्माताओं में से एक हैं. उन्होंने भी इस फिल्म को लेकर हुए इस फैसले पर अपनी सहमती जताई है. फरहान पिछले साल से ही इस फिल्म की तैयारी कर रहे थे. जहां उन्होंने हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग को पूरा किया था. लेकिन अब कोरोना काल में बढ़ते केसेस को देखते हुए फिल्म की टीम ने इस फैसले को सही बताते हुए फिल्म की रिलीज को रोक दिया है. फिल्म की टीम ने कहा है कि लगातार बिगड़ती स्थिति को देखते हुए हमने अपने सारे इम्प्लोयीस और उनके परिवार की सेहत का ख्याल रखते हुए अपनी तूफान की रिलीज को पोस्टपोन कर दिया है. इस फिल्म को अब हम तब रिलीज करेंगे जब ये कोरोना की स्थिति बिलकुल सही हो जाएंगी. वहीं इस पोस्ट में लोगों से वैक्सीन लगवाने का भी अनुरोध किया गया है. फिल्म की टीम ने कहा है कि सभी भारतवासी जल्द से जल्द अपनी वैक्सीन लगवालें. फरहान अख्तर की फिल्म तूफान भी भाग मिल्खा भाग जैसी ही रोमांच से भरी हुई होगी. आपको बता दें की फिल्म तूफान फिल्म निर्देशक ओमप्रकाश मेहरा के निर्देशन में बन चुकी है।

रणबीर कपूर के साथ एनिमल में नजर आएंगी परिणीति चोपड़ा

बॉलीवुड की अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। जिसका तैयारियां में अभिनेत्री इन दिनों लगी हुई है। अब इसी बीच अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा का कहना है कि, अब भारत में कंटेंट का लैंडस्केप हमेशा के लिए बदल गया है। पिछले काफी समय से कोरोना वायरस महामारी का कहर बॉलीवुड फिल्म पड़ने के बाद परिणीति चोपड़ा को लगता है कि इस महामारी ने भारत में कंटेंट का लैंडस्केप को हमेशा के लिए बदल कर रख दिया है। अब ऑडियंस दमदार कंटेंट को देखना पसंद करते हैं और असल जिंदगी पर आधारित कंटेंट का चुनाव करते है। घटिया सब्जेक्ट को दर्शकों द्वारा खारिज कर दिया जाता है। परिणीति चोपड़ा का कहना है कि, आज दुनिया भर में तैयार होने वाले ब्रेकिंग तक दर्शकों की पहुंच हो गई है। कलाकार और फिल्म निर्माताओं को ये बात ध्यान में रखनी होगी। अभिनेत्री ने कहा कि, आज दर्शकों की पसंद काफी बदल चुकी है। पहले के मुकाबले में काफी बदलाव आया है। अभिनेत्री ने अपनी अगली फिल्म पर बात करते हुए कहा कि, उनकी अगली आने वाली फिल्म एनिमल है। जिसकी कहानी काफी दमदार है। परिणीति चोपड़ा ने दावा किया है कि उनकी इस फिल्म की कहानी दर्शकों को पसंद आएगी। परिणीति चोपड़ा ने कहा कि वो ऐसी स्क्रिप्ट की तलाश में है जिसको लोग पसंद करें और वो खुशी से इस पर काम कर सके। बता दें कि परिणीति चोपड़ा की फिल्म एनिमल में बॉलीवुड के अभिनेता रणबीर कपूर भी मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू होना बाकी है लेकिन इस वक्त देश के हालात की वजह से अभी मेकर्स ने इसकी शूटिंग शुरू नहीं शुरू की जाएगी। हो सकता है कि फिल्म एनिमल जल्द ही फ्लोर पर आएगी।

आम की बहार, जानिए आम खाने के 10 बड़े फायदे

इन दिनों आम की बहार है। रसीले पके आम अत्यंत स्वादिष्ट लगते हैं। गर्मियों में इनकी आवक के साथ ही घर-घर में आम के व्यंजन बनने लगते हैं। आम का रस, आम की चटनी, आम के पापड़... और सबसे अच्छा तो इसे यूं ही काट कर खाना माना जाता है।

आइए जानते हैं इसके 10 ऐसे फायदे जो आपको अचरज में डाल देंगे।

1. पका आम बहुत ही पौष्टिक होता है। इसमें प्रोटीन, विटामिन व खनिज पदार्थ, कार्बोहाइड्रेट तथा शर्करा विपुल मात्रा में होते हैं।
2. कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने के मामले में आम में फाइबर और विटामिन सी होता है जिससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।
3. अगर रोगों से बचना है तो शरीर में इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बहुत जरूरी है और आम रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करता है इसलिए आम को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।
4. आम का सेवन करने से आप पेट व पाचन संबंधी परेशानियों से बच सकते हैं। इसमें लैक्सेटिव यानी पेट को साफ करने का गुण होता है, साथ ही इससे कब्ज की समस्या से भी आराम मिलता है।
5. यूनानी डॉक्टरों के मतानुसार पका आम आलस्य दूर करता है, मूत्र साफ लाता है, क्षयरोग (टी.बी.) मिटाता है तथा गुर्दे व मूत्राशय के लिए शक्तिदायक है।
6. आम में विटामिन ए होता है, जो आपकी आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आम के सेवन से आंखों की रोशनी अच्छी होती है।
7. आम मीठा, चिकना, शौच साफ लानेवाला, तृप्तिदायक, हृदय को बलप्रद, वीर्य की शुद्धि तथा वृद्धि करनेवाला है। यह वायु व पित्त नाशक परंतु कफकारक है तथा कांतिवर्धक, रक्त की शुद्धि करनेवाला एवं भूख बढ़ानेवाला है। इसके नियमित सेवन से रोगप्रतिकारक शक्ति बढ़ती है।
8. अगर आप अपनी त्वचा में निखार लाना चाहते हैं तो आम इसके लिए बहुत उपयोगी है। आम का फेस पैक चेहरे पर चमक लाने के लिए बहुत कारगर है।
9. शुक्रप्रमेह आदि विकारों के कारण जिनको संतानोत्पत्ति न होती हो, उनके लिए पका आम लाभकारक है। कलमी आम की अपेक्षा देशी आम जल्दी पचनेवाला, त्रिदोषशामक व विशेष गुणयुक्त है। रेशासहित, मीठा, पतली या छोटी गुठलीवाला आम उत्तम माना जाता है।
10. यह आमाशय, यकृत, फेफड़ों के रोग तथा अल्सर, रक्ताल्पता आदि में लाभ पहुंचाता है।

संतरे के ज्यादा सेवन से हो सकता है सेहत को नुकसान, जानिए कैसे?

गर्मी आते ही संतरों का मौसम भी आ जाता है, संतरे और उनका जूस तपती गर्मी में लाजवाब लगते है। वैसे तो संतरे का सेवन किसी भी रूप में करना सेहत और सौन्दर्य दोनों के लिहाज से बहुत फायदेमंद होता है। लेकिन अगर संतरे का सेवन गलत समय पर किया जाए या उन्हें जरूरत से ज्यादा खा लिया जाए, तो ये नुकसान भी पहुंचा सकते हैं।

आइए जानते हैं, संतरे किस तरह शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं -

1 जरूरत से ज्यादा संतरे का सेवन दांतों के लिए हानिकारक हो सकता है। दांतों पर इनेमल की परत होती है जो उनकी सुरक्षा करती है। लेकिन संतरे में एसिड मौजूद होते है जो दांतों के इनेमल में मौजूद कैल्शियम से मिलकर रिएक्शन करने लगते है। जो दांतों के लिए हानिकारक होता है।

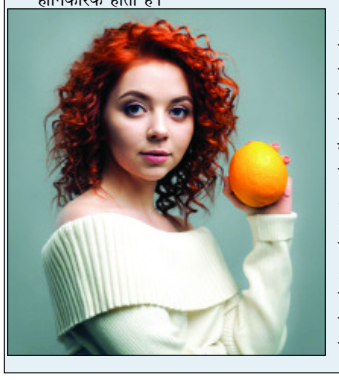

2 माना जाता है कि संतरे में मौजूद कार्बोहाइड्रेट खून में ग्लाइसेमिक इंडेक्स के लोड को बढ़ा देता है। संतरे में फाइबर, कार्बोहाइड्रेट की मात्रा काफी होती है जो भूख भी बढ़ा सकती है और ज्यादा खाने से आपको वजन बढ़ने की समस्या हो सकती है।

3 वैसे तो संतरे में विटामिन सी के अलावा कई पौष्टिक तत्व होते है जैसे विटामिन ए, बी कॉप्लेक्स, फ्लेवोनॉयड, अमिनो एसिड आदि, जो सेहत और त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद साबित होते है, लेकिन संतरे को सही समय पर खाना जरूरी है।

सम्पादिकीय

विपक्ष फिर बिखरा

सिद्धार्थ शंकर

पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ देश के अगले उपराष्ट्रपति होंगे। शनिवार को हुए चुनाव में उन्होंने विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को मात दी। लोकसभा और राज्यसभा के कुल 725 सांसदों ने वोट डाला था। इनमें 15 वोट रद्द कर दिए गए। कुल 710 वैध वोटों में 528 वोट जगदीप धनखड़ को मिले, वहीं अल्वा के पक्ष में 182 वोट पड़े। इस तरह से धनखड़ ने चुनाव जीत लिया। नतीजे आते ही धनखड़ की इस जीत से ज्यादा मार्गरेट अल्वा की हार के चर्चे होने लगे। ठीक वैसे ही जैसे राष्ट्रपति के बाद विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के चर्चे सुनने को मिले थे। दरअसल, मार्गरेट अल्वा को कांग्रेस ने उम्मीदवार बनाया था। अब ऐसा वक्त आ गया है जब कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस का नेतृत्व पसंद नहीं करते हैं। इन दलों का मानना है कि कांग्रेस डूबता जहाज है और जो भी इसके साथ आएगा वो भी डूब जाएगा। यही कारण है कि क्षेत्रीय दल कांग्रेस से दूरी बनाने लगे हैं। राष्ट्रपति और फिर उपराष्ट्रपति चुनाव में भी यही देखने को मिला। विपक्ष पूरी तरह से बिखरा नजर आया। उपराष्ट्रपति चुनाव में तो भाजपा की धुर विरोधी टीएमसी तक ने अल्वा का साथ नहीं दिया। राष्ट्रपति चुनाव की तरह ही उपराष्ट्रपति चुनाव में भी विपक्ष बिखरा नजर आया। बल्कि पहले से ज्यादा बिखराव उपराष्ट्रपति चुनाव में दिखा। इस बार तो भारतीय जनता पार्टी की धुर विरोधी तृणमूल कांग्रेस तक ने विपक्ष की उम्मीदवार का साथ नहीं दिया। चुनाव हारने के बाद अल्वा के बयान में भी यही दर्द झलका। भाजपा ने बड़े आराम से दोनों चुनाव में विपक्ष को एकजुट होने से रोक दिया। आमतौर पर सत्ता से बाहर रहने के दौरान विपक्ष का नेतृत्व कांग्रेस ही करते आई है। हर बार उसे क्षेत्रीय दलों का साथ मिलता रहा है, लेकिन इस बार हालात अलग हैं। अब कांग्रेस के नेतृत्व पर ही क्षेत्रीय दल सवाल उठाने लगे हैं। इसके पीछे कारण भी है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस अब नेतृत्व नहीं कर पा रही है। इन दलों का ये भी कहना है कि अगर वह कांग्रेस के साथ आते हैं तो इसका उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। यही कारण है कि तृणमूल कांग्रेस, सपा, टीआरएस, आम आदमी पार्टी समेत तमाम दल अलग मोर्चा ही बनाने में जुटे हैं। अल्वा की हार के बाद तीसरे मोर्चे के गठन की चर्चा और तेज हो गई है। भाजपा के फायदे की बात करें तो उसने धनखड़ के बहाने नाराज किसानों को भी साध लिया है। जगदीप धनखड़ राजस्थान के जाट परिवार से आते हैं। उनका पारिवारिक पेशा कृषि रहा है। मतलब एक तरह से वह किसान परिवार के हुए। पिछले दो साल में भाजपा को सबसे ज्यादा मुश्किल किसान और जाट समुदाय के लोगों से ही हुई है। ये सब हुआ कृषि बिल के खिलाफ खड़े हुए किसान आंदोलन के चलते। ऊपर से राज्यपाल सत्यपाल मलिक केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ लगातार मुखर हैं। मलिक भी जाट समुदाय से ही आते हैं। ऐसे में अब भाजपा को कई तरह से फायदे मिलेंगे। किसान आंदोलन के चलते पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान में रहने वाले जाट समुदाय के लोग भाजपा सरकार के खिलाफ हो गए थे। अगले साल राजस्थान, मध्य प्रदेश और फिर 2024 में हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र में चुनाव होने हैं। इनमें से राजस्थान, हरियाणा में जाट समुदाय के वोटर्स की अच्छी खासी संख्या है। इसके अलावा दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब में भी जाट वोटर्स की संख्या काफी अधिक हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में अगर ये जाट वोटर्स साथ आ गए तो भाजपा की जीत की राह आसान हो सकती है। धनखड़ किसान परिवार से आते हैं। ऐसे में उनके उपराष्ट्रपति बनने से किसानों में भी भाजपा के प्रति जो नाराजगी है वो दूर हो सकती है। इसके अलावा धनखड़ ने अपने कॅरियर की शुरुआत की वकालत से की है। देशभर में 10 लाख से ज्यादा लोग वकालत के पेशे में हैं। ऐसे में भाजपा को वकीलों का भी साथ मिल सकता है। धनखड़ को जब उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाया गया था, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर तमाम भाजपा नेताओं ने उन्हें किसान पुत्र कहकर ही बुलाया था।

गांधी जी के आंदोलन से हिल गयी थी अंग्रेज सरकार

9 अगस्त 1942 को अंग्रेजों भारत छोड़ो के नारे के साथ महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरू हुए आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाने का काम किया था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले इस आंदोलन में पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी रही थी। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के शुरू होने के कुछ समय बाद ही गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ताओं ने हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन को जिंदा रखा। इस आंदोलन ने देखते ही देखते ऐसा रूप ले लिया था कि अंग्रेजी सत्ता को दमन के सभी उपाय नाकाफी साबित होने लगे थे।

9 अगस्त 1942 को दिन निकलने से पहले ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी सदस्य गिरफ्तार हो चुके थे और कांग्रेस को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। गांधी जी के साथ भारत कोकिला सरोजिनी नायडू को यरवदा पुणे के आगा खान पैलेस में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पटना जेल व अन्य सभी सदस्यों को अहमदनगर के किले में नजरबंद किया गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस जनान्दोलन में 942 लोग मारे गये, 1630 घायल हुए, 18 हजार डीआईआर में नजरबंद हुए तथा 60 हजार 229 गिरफ्तार हुए। जयप्रकाश नारायण, अरूणा आसफ अली व मदनलाल बागड़ी का इस क्रांति में अविस्मरणीय योगदान रहा था।

6 अगस्त 1925 को ब्रिटिश सरकार का तख्ता पलटने के उद्देश्य से बिस्मिल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के दस जुझारू कार्यकर्ताओं ने काकोरी कांड किया था। जिसकी यादगार ताजा रखने के लिए पूरे देश में हर साल 9 अगस्त को काकोरी काण्ड स्मृति-दिवस मनाया जाता था। इस दिन बहुत बड़ी संख्या में नौजवान एकत्र होते थे। गांधी जी ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत 9 अगस्त 1942 का दिन चुना था। दूसरे विश्व युद्ध में इंग्लैंड को बुरी तरह उलझता देख जैसे ही नेताजी सभाषचंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज को दिल्ली चलो का नारा दिया। गांधी जी ने मौके की नजाकत को भांप लिया और 8 अगस्त 1942 की रात में ही बम्बई से अंग्रेजों को भारत छोड़ो व भारतीयों को करो या मरो का आदेश जारी किया। 1942 का अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन 1920, 1921, 1930, 1940-41 के आंदोलनों से काफी भिन्न था। इसी कारण सुभाष बाबू ने कहा था कि 1942 में पेसिव रजिस्टेन्स के युग का अंत होकर एक्टिव रजिस्टेन्स का सूत्रपात हुआ। राजनारायण मिश्र, महेंद्र चैधरी, लेना प्रसाद, मांतिगिनी हाजरा, चाफेकर बंधुओं, खुदीराम बोस, कन्हाई लाल, करतार सिंह, रामप्रसाद बिस्मित, अशफकाउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों के अविस्मरणीय योगदान ने आजादी की राह काफी सरल बना दी थी। गांधीजी का करो या मरो का नारा अत्यन्त ही शक्तिशाली मंत्र साबित हो रहा था। बापू के इस मंत्र का भी देशव्यापी असर पड़ा और यह नारा बाद में आजादी पाने का ध्येय मंत्र बन गया। इस आंदोलन को लालबहादुर शास्त्री ने एक बड़ा रूप दे दिया था। लालबहादुर शास्त्री ने 1942 में मरो नहीं मारो का नारा दिया। जिसने क्रान्ति की ज्वाला को पूरे देश में प्रचण्ड किया। 19 अगस्त 1942 को शास्त्री जी गिरफ्तार हो गए। इस आंदोलन की व्यूह रचना बेहद तरीके से बुनी गई थी। चूंकि अंग्रेजी हुकूमत दूसरे विश्व युद्ध में पहले ही पस्त हो चुकी थी और जनता भी आंदोलन की ओर झुक रही थी। लिहाजा 8 अगस्त 1942 की शाम को बम्बई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बम्बई सत्र में अंग्रेजों भारत छोड़ो का नाम दिया गया था। हालांकि गांधी जी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ता हड़ताल और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे।

अगस्त क्रांति आन्दोलन में महिलाओं के योगदान को कम तर नहीं आका जा सकता। अरूणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी ने आंदोलन में खूब साथ दिया। अच्युत पटवर्धन, रासबिहारी, मोहन सिंह सरीखे क्रांतिकारियों ने अमूल्य योगदान दिया। 8 अगस्त 1942 को जिस क्रांति का सूत्रपात हुआ उसने यह जाहिर कर दिया कि अब अंग्रेजी हुकूमत टिक नहीं सकती। दरअसल सन् 1942 की क्रांति पिछले सत्तावन वर्ष से राष्ट्रीय कांग्रेस जो आंदोलन चला रही थी उसका उफान था। इस आंदोलन के उफान ने अंग्रेजों की आंखें खोल दी थी। इस आंदोलन से सारा देश मानो हिल गया था। इस उफान की पृष्ठभूमि में लोकमान्य तिलक और उनके बाद महात्मा गांधी ने व्यापक जन-जागृति उत्पन्न की थी।

हमारे देश को अंग्रेजो की गुलामी से तो आजाद हुये काफी साल हो गये। मगर देश आज भी भ्रष्टाचार, भेदभाव, जातिवाद की गुलामी में जकड़ा हुआ है। देश में भ्रष्टाचार, जातिवाद का जहर लोगो की रग-रग में बस चुका है। भ्रष्टाचार के चलते देश के लोगों में अलगाववाद, आंतकवाद, साम्प्रदायिकता, विघटनकारी भावना घर कर गयी है। जो देश की तरक्की की राह में एक बड़ी रूकावट बन चुकी है। जब तक देश में भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लग पायेगी तब तक देश विकाश पथ पर समुचित गति से आगे नहीं बढ़ पायेगा।

भारत छोड़ो आंदोलन की ही तरह एक बार देश की जनता को नये सिरे से एकजुट होकर भ्रष्टाचार मिटाओ देश बचावो आन्दोलन चलाना होगा तभी देश सही मायने में आजाद हो पायेगा। भारत छोड़ो आंदोलन को 80 साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में भारत के हर नागरिक को देश के इस बड़े आंदोलन के बारे में अवश्य जानना चाहिये। देखा जाए तो यह सही मायने में एक जन आंदोलन था। जिसमें अमीर, गरीब, ग्रामीण, शहरी का भेद भुलाकर लाखों की संख्या में आम हिंदुस्तानी शामिल हुये थे।

इस आंदोलन की सबसे बड़ी खासियत थी कि इसने युवाओं को बड़ी संख्या में अपनी ओर आकर्षित किया था। नवयुवक कॉलेज छोड़कर जेल जा रहे थे। इस आंदोलन का प्रभाव इतना ज्यादा था कि अंग्रेज हुकूमत पूरी तरह हिल गई थी। अंग्रेजों को इस आंदोलन को दबाने के लिए ही साल भर से ज्यादा का समय लगा था। जून 1944 में जब विश्व युद्ध समाप्ति की ओर था तो महात्मा गांधी को रिहा कर दिया गया। इस तरह आंदोलन ने ब्रिटिश हुकूमत पर व्यापक प्रभाव डाला और इसके कुछ साल बाद ही 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ।

सावन के महिने में यादों के झूले

रमेश सर्राफ धमोरा

सावन के सुहाने महीने का हर किसी को इंतजार होता है। बहुत सारी हिन्दी फिल्मों में भी सावन के गानों को बेहद ही खूबसूरती से फिल्माया जाता रहा है। इसमें प्रेमी जोड़े के बीच प्यार, रोमांस, नाचना और झूमना दिखाया गया है। 1975 में रिलीज हुई फिल्म 'चुपके चुपके' का गाना 'अब के बरस सावन में' शर्मिला टैगेर और धर्मेंद्र सावन की बारिश में झूमते हुए दिखते हैं। ये गाना भले ही पुराना है लेकिन सावन में आज भी प्रेमी जोड़े के बीच यह गाना ताजा हो जाता है। पड़ गए झूले सावन ऋतु आई रे गाना 1967 में आई फिल्म बहू बेगम का सावन के झूलों पर सबसे हिट गाना माना जाता है। सावन आते ही लोगों की जुबान पर ऐसे गाने खुद-ब-खुद आने लगते हैं। पहले लोगों को सावन के महीने का बेसब्री से इंतजार रहता था। सावन शुरू होते ही गांव की गलियों से लेकर शहरों तक झूले पड़ते थे। महिलाएं झूला झूलतीं और गाती थीं। लड़कियां ससुराल से मायके आती थीं। लेकिन अब ये सब परंपरायें समाप्त होती जा रही है। अब न तो पेड़ों पर झूले डलते हैं और ना ही गीत सुनाई देतें है। सावन शुरू होने के बाद भी इसका एहसास ही नहीं हो रहा है। उमंग और खुमारी का संगम इसी महीने में हरियाली तीज पर खत्म होता था। सखियों को सुख-दुख बांटने, साथ बैठकर मेंहदी लगाने की परंपरा फिर गीत सब गुम हो चुका है। बच्चे अब झूले नहीं वीडियो गेम में मस्त रहते हैं। महिला संगठन भी अब किटी पार्टी जैसे आयोजनों तक सीमित हैं। झूले की परंपरा लुप्त होने के पीछे सबसे प्रमुख वजह मनोरंजन के भरपूर साधन भी हैं।

सावन के आते ही गली-कूचों और बगीचों में मोर, पपीहा और कोयल की मधुर बोली के बीच युवतियां झूले का लुत्फ उठाया करती थीं। अब न तो पहले जैसे बगीचे रहे और न ही मोर की

आवाज सुनाई देती है। यानी बिन झूला झूले ही सावन गुजर जाता है। लगातार पड़ रहे प्राकृतिक आपदाओं के कहर का असर माना जाए या वन माफियाओं की टेढ़ी नजर का परिणाम कि गांवों में भी बगीचे नहीं बचे, जहां युवतियां झूला डाल कर झूल सके व मोर विचरण कर सके। बुजुर्ग महिलायें बताती हैं कि सावन आते ही बहन-बेटियां ससुराल से मायके बुला ली जाती थीं और पेड़ों पर झूला डाल कर झूलती थीं। झुंड के रूप में एकत्रित होकर महिलाएं सावनी गीत गाया करती थीं। त्योहार पर बेटियों को ससुराल से बुलाने की परम्परा आज भी चली आ रही है। लेकिन जगह के अभाव में न तो कोई झूला झूल पाता है और न ही अब मोर, पपीहा व कोयल की सुरीली आवाज ही सुनने को मिलती हैं। बुजुर्गों की मानें तो दस साल पहले रक्षाबंधन तक झूले का आनंद लिया जाता रहा है। गांव के पेड़ पर मोटी रस्सी से झूला डाला जाता था और सारे गांव की बहन-बेटियां झूलती थीं। अब पेड़ ही नहीं हैं तो झूला कहां डालें। सावन के महीने में नवविवाहित महिलाओं को अपने मायके जाने की परम्परा तो आज भी राजस्थान की संस्कृति में अनवरत रूप से चली आ रही है। पहले सावन का महीना आते ही गांव में सावन की मल्हारें गूंजने लगती थी। जिन नव विवाहिता वधुओं के पति दूरस्थ स्थानों पर थे उनकों इंगित करते हुए विरह गीत सुनना अपने आप में लोक कला का ज्वलंत उदाहरण हुआ करते थे। समय के साथ पेड़ गायब होते गए और उनके स्थान पर बहुमंजिला इमारतों के बनने से आंगन का अस्तित्व लगभग समाप्त हो गया। ऐसे में सावन के झूले भी यादें बनकर हमारी परम्परा से गायब हो रहे हैं। अब सावन माह में कुछ जगहों पर ही झूले दखाई देते हैं। मंदिरों में सावन की एकादशी के दिन भगवान को झूला झुलाने की परम्परा अभी भी निभाई जा रही है। भारतीय संस्कृति में झूला झूलने की परम्परा वैदिक काल से ही चली आ रही है। भगवान श्रीकृष्ण राधा संग झूला झूलते और गोपियों संग रास रचाते थे। मान्यता है कि इससे प्रेम बढने के अलावा प्रकृति के निकट जाने एवं उसकी हरियाली बनाये रखने की प्रेरणा मिलती है। संस्कृति एवं परम्परा की ही देन है कि देश के विभिन्न क्षेत्रों के गांव और कस्बों में लोग झूला झूलते हैं।

विधायक और सांसद का पद सदासुहागन!

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

संसार की प्रथा हैं जब किसी स्त्री का विवाह होने के तत्पश्तात यदि वह विधवा हो जाय या वह सुहाग रात में न मना तब भी वह शादीशुदा कहलाती हैं और वह श्रीमती के नाम से सम्बोधित होने लगती हैं। वह ससुराल में बराबर की हक़दार हो जाती हैं। उसका मायका छूट जाता हैं और वह ससुराल की हो जाती हैं। उसका कहना रहता हैं की में डोली में आयी थी और काँधें पर जाउंगी। सिर्फ सात फेरे और मांग में सिंदूर।चाहे वह मंदिर में जाकर चुपचाप करले या कोर्ट में जाकर या सामाजिक स्तर पर। यानी वह सब अधिकार सम्पन्न हो जाती हैं, वैधानिक रूप से। कोई उसके अधिकारों को चुनौती नहीं दे सकता हैं।

जिस प्रकार हमारा शरीर नश्वर हैं और हमारी आत्मा अजर अमर हैं ,वह जिस प्रकार का शरीर होता हैं उस हिसाब से उसमे रहती हैं। मजेदार बात यह हैं वह शरीर में रहते हुए ,जब तक शरीर जिन्दा रहता हैं तब तक आत्मा का स्थान हैं ,उससे कोई वंचित नहीं हैं। लोग कहते हैं की हमने आत्मा नहीं देखी ,तो हम कैसे उसे माने या हमने भगवान् नहीं देखा। भैय्या आपको घी कहाँ से मिलता हैं बताओ ?दूध से ,कैसे मिलता हैं। घी को गर्म कर मलाई निकालो और उसे एकत्रित कर मथानी से मथो और उससे क्रीम निकालकर गर्म करो और घी मिल जाता हैं पर घी से दूध नहीं मिल सकता हैं। एक बार घी बना फिर उसका उपयोग करो। ऐसा ही भगवान् का स्थान हैं, हमारे शरीर में विराजित हैं बस शरीर को तपस्या द्वारा तपाना पड़ता हैं ,बस तप गए तो बन गए भगवान। तप से विपरीत पत होता हैं ,यानी तपन का विपरीत पतन। वैसे सच्चे साधु का पतन नहीं हो पाता हैं। यानी शरीर और आत्मा का चोला हैं। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। इस शरीर से अच्छा काम करलो या बुरा। इसी प्रकार हमारे देश में विधायकी और सांसद का शरीर और आत्मा विधान सभा या सँसद भवन होती हैं। जिस दिन इन में से कोई भी पद मिला या जीते ,और उसके बाद जैसे ही शपथ ली वे शासन की शादीशुदा स्त्री बन जाते हैं। यानी वे उस कुनबा के सदस्य हो गए जहाँ से कोई उन्हें न निकाल सकता ,न भगा सकता और न उनके कोई हक़ हकूक को कम कर सकता। जिस प्रकार स्त्री सधवा हो या विधवा उसे जीवित रहने तक सम्पूर्ण अधिकार होते हैं इसी प्रकार विधायक या सांसद भूतपूर्व होने पर अथवा मृत होने तक पूरे तौर से अधिकृत होते हैं सब प्रकार का वेतन ,भत्ता और सुख सुविधाएँ। जिस प्रकार ससुराल में बहु वरिष्ठ होने पर कभी देवरानी ,कभी जिठानी और कभी सास और कभी आजी सास के साथ माँ ,बड़ी माँ ,सासु माँ और फिर दादी कहलाती हैं उसी प्रकार पहले कनिष्ठ विधायक ,या सांसद ,फिर वरिष्ठ ,वरिष्ठतम ,मंत्री ,मुख्य मंत्री प्रधान मंत्री ,राज्यपाल,राष्ट्रपति तक की पात्रता हो जाती हैं। यदि कभी विधवा यानी पद धारक न हो तो भी उन्हें सम्मान मिलता रहता हैं। जिस प्रकार नई बहु ससुराल में गयी तब वह ताजिंदगी उस घर की हो जाती हैं ,उसे कभी अवकाश नहीं मिलता ,न लेती हैं वह चौबीस घंटे सात दिन और पूर्ण आयु तक कार्यरत मानी जाती हैं वैसे ही विधायक ,मंत्री मुख्यमंत्री ,प्रधान मंत्री ,आदि यानी ता जिंदगी के सेवक या मालिक होते हैं। इसका मतलब उनका एक एक बून्द खून ,देश के लिए समर्पित रहता हैं। इससे सिद्ध होता हैं की हमारे विधायक ,सांसद या तो आत्मा ,परमात्मा जैसे अजर अमर रहते हैं या सधवा या विधवा स्त्री जैसे साधन सम्पन्न। हमारे हिसाब से सधवा या विधवा होते हैं ,कारण स्त्री या पुरुष परगमन में विश्वास रखते हैं। जिस प्रकार गाय भैस आदि मालिक से मतलब नहीं रखते ,वे रखते हैं जो उनको चारा ,भूसा या खाने दे ,उनको नहीं पता की वह सोने की चूड़ी पहने या नंगे हाथ हैं। इसी प्रकार नगर वधु को व्यक्ति से नहीं उसके धन दौलत से मतलब होता हैं।

हिंदी बने जन-जन की भाषा

शिक्षा क्या है? शिक्षा वो है जो बच्चे को जानवर से इंसान बनाए। रोज़गार पाने के लिए अंग्रेज़ी भाषा में शिक्षा जी रही है, ठीक है, रोटी की भाषा अंग्रेज़ी होती है तो होती रहे। लेकिन, हर बच्चे को, हर व्यक्ति को एक दूसरी शिक्षा भी चाहिए। उस शिक्षा का माध्यम हिंदी होनी चाहिए, दूसरी क्षेत्रीय भाषाएँ होनी चाहिए। अगर आप यह सोचेंगे कि एक ही शिक्षा है, वो जो स्कूल, कॉलेज में दी जा रही है, तो आपको लगेगा, अरे अरे! अंग्रेज़ी छा गई। वही भर शिक्षा थोड़े ही है। जो असली शिक्षा है, वह भारत की मिट्टी की भाषाओं में ज़्यादा खूबसूरती से दी जा सकती है। बहुत अंग्रेज़ी पढ़ा-लिखा इंसान होगा हिंदुस्तान में, ऐसा भी होगा जो देवनागरी लिखना ही भूल गया हो, क न लिख पाता हो अब, वो भी गाने तो मोहम्मद रफ़ी के ही सुनता है। भारत के एक-से-एक भूरी चमड़ी वाले अंग्रेज हैं, गाली तो वो भी हिंदी में ही देते हैं। तो आप चिंता मत करिए।

कोई भी भाषा अपनी उपयोगिता के आधार पर ही ज़िंदा रहती है। जो भाषा अनुपयोगी हो गई, वो मर जाती है। आप उसको बहुत दिनों तक कृत्रिम तरीकों से, वेंटीलेटर पर ज़िंदा नहीं रख सकते। आप यह नहीं कह सकते, अरे! अरे! पुरानी भाषा है, ज़िंदा रखो, ज़िंदा रखो। उपयोगी होगी तो ज़िंदा रहेगी। लोगों के काम की होगी तो ज़िंदा रहेगी। अंग्रेज़ी का भी आप इतना फैलाव इसीलिए देख रहे हैं क्योंकि उससे लोगों को कुछ लाभ हो रहा है। क्या लाभ हो रहा है रोज़गार मिल रहा है। हिंदी हो, चाहे तमिल हो, उससे भी अगर लोगों को लाभ होगा, तो ये भाषाएँ खूब फैलेंगी। आप फिल्में देखने जाते हैं, वो फिल्में दिल को छू जाती हैं न ये लाभ है न तो इसीलिए भारत में जो फिल्म इंडस्ट्री है वो दुनिया की फिल्म इंडस्ट्रियों में बड़ी-से-बड़ी है। इसी तरीके से अगर अध्यात्म की भाषा हमारी मिट्टी की भाषाएँ रहेंगी तो लोगों को मजबूर होकर के हिंदी, तमिल, तेलुगू, बंगाली, पंजाबी सीखनी पड़ेंगीं। लोग सीखेंगे। खासतौर पर बंगाल में तो कई उदाहरण रहें हैं जहाँ लोगों ने बंगाली सीखी इसलिए क्योंकि वो बंगाली का कोई उपन्यास पढ़ना चाहते थे। इसी तरीके से चंद्रकांता और चंद्रकांता संतति का उदाहरण है। जब यह छपे तो इतने प्रसिद्ध हुए कि लोगों ने इन पुस्तकों को पढ़ने के लिए भाषा सीखी। अब भाषा की उपयोगिता है न कि तुम्हें यह भाषा आती है तभी तो तुम चद्रकांता पढ़ पाओगे।

आज का राशिफल

मेष — आज का दिन व्यस्त हो सकता है। दूसरों के कारण मानसिक उलझनों से व बाहर के खाने से बचें। यदि नौकरी की तलाश में हैं तो आज आपको सुखद सूचना मिल सकती है लेकिन अति लोभ व नकारात्मक विचारों से ऊपर उठें।

वृषभ — आपका प्रयास आज रंग लाएगा। किसी तरह का शुभ समाचार मिलेगा। नए अवसर जीवन में परिवर्तन लाने का काम करेंगे। अपनों का सहयोग मिलेगा, मित्र भी साथ देंगे। आपका समय अपने परिवार और दोस्तों के साथ एक खुशमिजाज माहौल में गुजरेगा जो आपको नई ऊर्जा व स्फूर्ति से भर देगा।

मिथुन — आपको धन लाभ होने की संभावना है। मनोकामना की पूर्ति का दिन है। आज दिन शुभ रहेगा। आज का दिन मंगलमय रहेगा। अचानक लाभ से मन प्रसन्न रहेगा। अल्प प्रयासों से यश मिलेगा।

कर्क : — विद्यार्थी वर्ग के लिए समय अनुकूल है। कर्क राशि के जातक आज ऊर्जावान रहेंगे। भागीदारी में लाभ कम होगा। आपके अपने मधुर व्यवहार करें इसलिए लिए जागरूक रहना सही है । शारीरिक स्वस्थता को बढावा दें। अविवाहितों के लिए विवाह का योग बन सकता है।

सिंह — आपका आज का दिन मिश्रित रहेगा। कार्यक्षेत्र में सामंजस्य बनाए रखने की आवश्यकता है। कोई समाचार मिलने के योग है। समय निकालकर आराम करें। सोच-समझकर यात्रा एवं कार्य-व्यवहार करें। साधु-संतों का आशीर्वाद मन में ऊर्जा का संचार करेगा। वैवाहिक अथवा प्रेम संबंधों के लिए समय मिश्रित है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कन्या — आज आशानुकूल लाभ होने की संभावना है। आपको अधिकारी वर्ग से सहायता मिलेगी। विरोधी निर्बल रहेंगे। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों के प्रति लापरवाही बरतने से मन-मुटाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

तुला — आज प्रयास से सभी कार्य बनने की संभावना बनेगी। जिससे आपको धन लाभ होगा। रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। आपको यश, मान, सम्मान में वृद्धि का योग बन रहा है। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। मधुरवाणी से संबंध और गहरे होंगे।

वृश्चिक — आज कार्य बनने की खुशी होगी। बनाए गए नए सम्पर्कों से लाभ होने की संभावना है। सफलता प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। जोखिमपूर्ण कार्यों में रुचि बढ़ेगी, सावधानीपूर्वक कार्य करने की जरूरत है।

धनु — आज व्यस्तता बनी रहेगी। फिर भी कार्यों की गति धीमी रहेगी। इरादों में मजबूती उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगी। नए कार्य में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी संबंधी अथवा खुद की अस्वस्थता से परेशान न हों सब सही रहेगा । राजनीतिक क्षेत्र के व्यक्तियों के लिए अच्छा समय है।

मकर — आज की गई यात्रा सुखद रहेगी। किसी कार्य संबंधी मामले में उन्नति का समाचार मिलेगा। पुरस्कार अथवा भेंट मिलने की खुशी होगी। दिन अनुकूल रहने से मानसिक प्रसन्नता बनी रहेगी। लाभ निश्चित है।

कुंभ — आज आत्मविश्वास में बढोतरी होगी । कार्यक्षेत्र की जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। सुख-समृद्धि के साथ-साथ खर्च में भी वृद्धि होगी। गुप्त शत्रु तंग कर सकते हैं, सावधान रहें। प्रेम संबंध में तालमेल बनाएँ रखें। आत्मविश्वास की कमी दिख सकती है इसे कमजोर न होने दें।

मीन — भाग्य का साथ आज सफलता दिलाएगा। विरोधी परास्त होंगे। यश-कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यवहार कुशलता और शांत रहकर कार्य बना लें। उन्नति का अवसर मिलेगा। भाई, बहन और बंधु-बांधवों से विचार के तालमेल का अभाव बनेगा।

शब्द सामर्थ्य

सू- दोकू क्र.157

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.156 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

आज की वर्ग पहेली

शब्द सामर्थ्य -157

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहण का अनुष्ठान 4. प्रसाद, चीज (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छींक, ठहाका 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. गुलाबचन्द सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यवाली, करतानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रभुत करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. सगन्ध, जंगली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

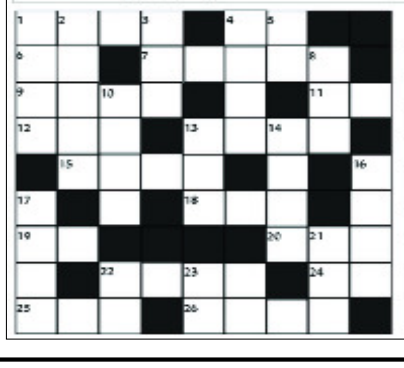

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 156 का हल

प्राकृतिक चिकित्सा क्षेत्र में सेवा के साथ बनायें कॅरियर

आज के समय में जिस प्रकार की जीवनशैली है उसके कारण हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से ग्रस्त रहता ही है। लेकिन हर समस्या के लिए दवाइयों का इस्तेमाल करना उचित नहीं माना जाता। अगर आप भी लोगों का इलाज

प्राकृतिक तरीके से करने में विश्वास रखते हैं तो नेचुरोपैथी (प्राकृतिक चिकित्सा) में अपना भविष्य बना सकते हैं। यह एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है, जिसमें प्रकृति के पांच तत्वों की सहायता से व्यक्ति का इलाज किया जाता है। यह इलाज की एक बेहद पुरानी पद्धति है।

इस क्षेत्र में व्यक्ति को सामान्य चिकित्सा व मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त एक सफल नेचुरोपैथ बनने के लिए आपके भीतर धैर्य, बेहतर संवाद के साथ ही संयम होना चाहिये ताकि मरीज की जरूरतों को समझते हुए उसका मनोबल भी बढ़ा सकें। आपमें रोगियों के भीतर विश्वास पैदा करने का भी कौशल होना चाहिए।

कैसे होता है उपचार

एक प्राकृतिक चिकित्सक का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि उसके खानपान और उसके जीवनशैली में भी बदलाव लाना है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, उसे मनोविज्ञान का भी कुछ ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की मानसिक हालत को समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में आ रहे छात्रों का भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके बाद आप बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और यौगिक साइंस कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें डिप्लोमा कोर्स भी करने के साथ ही एक नेचुरोपैथ वेलनेस सेंटर्स, न्यूट्रिशन सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ केयर सेंटर आदि में भी अवसर तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एकेडमिक्स, कम्युनिटी हेल्थ सर्विस केयर, सोशल वेलफेयर, मैन्युफैक्चरिंग और नेचुरल प्रॉडक्ट्स कंपनी आदि में भी काम कर सकते हैं। भारत में प्राकृतिक चिकित्सक सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किए जाते हैं। वैसे लग्जरी होटल व हेल्थ रिसॉर्ट में भी नेचुरोपैथ सर्विसेज दी जाती हैं, वहां पर भी नौकरी मिल सकती है। एक अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक खुद का सेंटर भी खोल सकता है।

आमदनी

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
- प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रांची।
- एसडीएम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सांइस, कर्नाटक।
- हिमालयन यूनिवर्सिटी, ईटानगर

आईटी क्षेत्र में कैरियर बनाने से पहले जान लें ये बातें

अगर आपकी रूचि कप्यूंटर साइंस में है और आईटी सेक्टर में करियर बनाना चाहते हैं तो पहले इस क्षेत्र की कुछ बातों को जान लेना आपके लिए जरुरी रहेगा। इंफॉर्मेशन टेक्नॉलोजी आईटी इंजीनियर के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स विषयों का होना

जरूरी है। इंफॉर्मेशन टेक्नॉलोजी ऐसा डिपार्टमेंट है, जहां कम्प्यूटर की नई जानकारी रखने वालों की हमेशा जरूरत रहती है। आई कंपनियों में दक्ष लोगों की मांग लगातार बढ़ रही है। आई टी में करियर बनाने के लिए कई रास्ते हैं। इनमें तीन इंजीनियरिंग के प्रमुख कोर्स है। जिसमें कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रानिक्स व कम्यूनिकेशन है। इसके आलावा सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग में भी काफी संभावनाएं हैं। इसमें आगे बढ़ने के लिए आपकों अपडेट रहना होता है जिसके लिए लगातार नये कोर्स भी करने होंगे। आईटी के अंतर्गत आने वाले बीटैक आईटी में आपको सिखाया जाता है कि बिजनेस को तैयार करने के लिए कैसे काम किया जाता है। इसकी सारी जानकारी दी जाती है। जिसमें डेटाबेस, बिजनेस, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि की जानकारी शामिल है। अगर आप इंजीनियरिंग नहीं करते हैं, तो आप बीएससी आईटी और बीएससी कम्प्यूटर साइंस् भी कर सकते हैं। 12वीं कक्षा में पीसीएम विषय वाले कम्प्यूटर एप्लीकेशन कोर्स कर सकते हैं। 12वीं में गणित बिषय वाले बीएससी कम्प्यूटर साइंस कोर्स कर सकते हैं। इसके अलावा मोबाइल एप्लीकेशन विकास में भी काफी रोजगार हैं। कई गैजेट्स वी?डियो, मूवी प्लेयर और गेमिंग डिवाइस के रूप में आज मार्केट में आ रहे हैं। आईटी क्षेत्र फील्ड दिन-प्रतिदिन काफी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में यहां छात्रों के लिए काफी अवसर हैं। इसमें आप प्रोग्रामर से डिजायरनर, डिवलपर और सिस्टम एनालिस्टा जैसे कार्य कर सकते हैं पर सभी के लिए आपको पारंगत होना जरुरी है।

सोशल मीडिया के जरिये नौकरी खोज रहे हैं तो रखें इन बातों का ध्यान

आज के दौर में सोशल मीडिया की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। इससे आप दुनिया भर से जुड़ सकते हैं। नौकरी खोजने और पाने के मामले में यह अहम भूमिका निभाता है। इसकी पारंपरिकता में काफी बदलाव आया है। अब नियोक्ता लिंकेडिन, फेसबुक और ट्विटर के जरिए प्रतिभाओं को तलाशने लगे हैं। इसका कारण यह है कि युवाओं में ये सोशल नेटवर्किंग साइट्स काफी लोकप्रिया हैं और वे हमेशा खुद को अपडेट रखना चाहते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि नेटवर्किंग के जरिए जहां आप किसी के बारे में पूर्व जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, वहीं किसी के स्टेटस को लेकर सोशल मीडिया के जरिए जानकारी प्राप्त की जा सकती है। फेसबुक, लिंकेडिन और ट्विटर के जरिए कोई भी नियोक्ता संबद्ध व्यक्ति की एक्टिविटी और उसके व्यक्तित्व को आसानी से परख सकता है हालांकि किसी भी प्रेशर के लिए ऑन लाइन नौकरी पाना आसान नहीं है क्योंकि कॉलेज या संस्थान के छात्रों को इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं होती है। यही कारण है कि एचआर प्रोफेशनल्स सोशल मीडिया के जरिए मध्य और वरिष्ठ स्तर पर नौकरी के योग्य लोगों की तलाश करते हैं हालांकि अधिकतर युवा फेसबुक का ज्यादा प्रयोग करते हैं, इसलिए इंट्री लेवल पर एचआर प्रोफेशनल्स फेसबुक को ही अपना जरिया बनाते हैं। वर्तमान में विभिन्न कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी अपने यहां की वैकेंसीज भी इन्हीं साइटों पर डालने लगे हैं। इसलिए यदि आप किसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर अपना एकाउंट खोलने और नौकरी ढूंढने जा रहे हैं तो कुछ बातों का अवश्य ध्यान रखें। यदि आप सोशल मीडिया में नए हैं तो इसकी मदद लेने का यह बेहतर समय है। इसकी सहायता से आप बेहतर मौके पा सकते हैं। ट्विटर, फेसबुक और लिंकेडिन पर प्रोफाइल बनाने के बाद आप अपने फील्ड के बेहतर लोगों के पास पहुंच सकते हैं। आपका प्रोफाइल आउटस्टेंडिंग होना चाहिए, जिसमें आपकी तस्वीर, आपके काम की जानकारी, पोजिशन के साथ हर मामले में छोटी-छोटी टिप्पणी हो। यदि कुछ लोगों का रिकमंडेशन हो तो उसे भी जरूर शामिल करें। यदि आप कुछ चीजों को सार्वजनिक नहीं करना चाहते हैं तो उसे भूल से भी साइट पर न डालें। उन्हीं मामलों को सार्वजनिक करें, जिस आप चाहते हैं कि भविष्य में होने वाले बॉस को उसकी जानकारी हो या फिर वर्तमान और पूर्व बॉस उस मामलों से अवगत हों।

स्टार्टअप के जरिये अपना अपना कारोबार शुरु करें

देश में बढ़ती बेरोजगारी देखते हुए अब स्वरोजगार पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में युवा स्टार्टअप के जरिये अपना स्वयं का कारोबार शुरु कर रहें हैं। सरकार भी इसको बढ़ावा दे रही है। स्टार्टअप के तहत दूर दराज के ग्रामीण इलाकों में भी नये तरीके अपना कर कई करोबार शुरु किए जा सकते हैं। इसमें कम निवेश पर भी अच्छी खासी आय हो सकती है।

आज हम आपको बात रहे है कुछ ऐसे ही व्यवसायों के बारे में जिन्हें आप कम लागत में ही शुरु कर लाखों रुपये कमा सकते हैं

डेयरी शुरु करें

गांव में रहने वाले अपने पास गाय या भैंस रखते ही हैं। बस एक या दो और गाय या भैंस खरीद कर डेयरी बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं। आपको एक अच्छी गाय 30 हजार रुपए तक की कीमत में और एक भैंस 50 हजार रुपए तक में मिल सकती है। शहरों में दूध की काफी मांग रहती है, इसलिए दूध का बिजनेस फायदेमंद हो सकता है। दूध 50 रुपए प्रति लीटर तक बिक जाता है। दूध की बिक्री के लिए आप डेयरी कंपनियों से संपर्क कर सकते हैं या फिर स्थानीय स्तर पर दूध बेचने वालों से भी संपर्क कर सकते हैं।

सब्जियों की खेती

धान और गेहूं उगाने के अलावा सब्जियों की खेती आपको मालामाल कर सकती है। अगर आपके पास छोटी सी जमीन भी है तो इसमें आप सब्जी उगा सकते

हैं। आजकल तो भारत सरकार देश के अलग अलग हिस्सों में कृषि सेंटर भी खोल रही है जहां आपको कम जमीन में अधिक पैदावार की तकनीक आसानी से मिल जाएगी। मिर्च, गोभी, टमाटर जैसी सब्जियां जमकर मुनाफा देती हैं।

मछली पालन

मछली पालन एक अच्छा बिजनेस साबित हो सकता है। शहरों में मछली की मांग काफी ज्यादा है। आप मछली पालन के लिए छोटी जमीन से काम शुरू कर सकते हैं। जमीन खोदने के बाद निकलने वाली मिट्टी तो बेच ही सकते हैं, जो गड्ढा बनेगा उसे तालाब की शक्ल देकर जलस्तर बढ़ाने में भी मदद कर सकते हैं। ये कारोबार आपको लाखों की कमाई करा सकता है।

फूलों की खेती

आजकल हर त्योहारों, कार्यक्रमों, शादियों और पूजा-पाठ में फूलों की मांग काफी ज्यादा होती है। आप अपनी जमीन पर फूलों की खेती कर सकते हैं। सूरजमुखी, गुलाब, गेंदे की खेती बेहद फायदे की है। फूल बिक्रेता या कंपनियों से संपर्क कर आप अपने फूल बेच सकते हैं।

पेड़ लगायें

अगर आपके पास एक या दो बीघे की भी खेती है तो आप उसमें शीशम, सागौन जैसे बेशकीमती पेड़ लगा सकते हैं। अच्छे तरीके से लगाए गए ये पेड़ 8-10 साल बाद आपको करोड़पति बना सकते हैं। एक शीशम का पेड़ 40 हजार रुपए में बिक जाता है। सागौन का पेड़ तो उससे भी कीमती है।

हेल्थ केयर में बढ़ती रोजगार की संभावनाएं

केरियर निर्माण की दृष्टि से देश का हेल्थकेयर सेक्टर सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश की विशाल आबादी और खासतौर से ग्रामीण क्षेत्रों में बसने वाली आबादी को देखते हुए यह कहा जा सकता है। लगभग समस्त सर्वेक्षणों में स्पष्ट कहा गया है कि आने वाले दशक में देश में निजी निवेश और कॉर्पोरेट अस्पताल संस्कृति के कारण उपलब्ध बेड और स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। इतना ही नहीं, अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक उपकरणों पर भी प्रायः अस्पतालों में ज्यादा धन खर्च किया जाएगा और सुपरस्पेशियलिटी अस्पतालों का प्रचलन बढ़ेगा। इन निजी कॉर्पोरेट अस्पतालों में अपोलो, मैक्स, मेदांता ग्रुप, मेट्रो हास्पीटल आदि का विशेषतौर पर नाम लिया जा सकता है। महानगरों से आगे बढ़ते हुए इन समूहों द्वारा छोटे शहरों में अब अस्पताल खोले जा रहे हैं हालांकि सरकारी अस्पतालों का भी आधुनिकीकरण किया जा रहा है पर यह अमूमन बड़े शहरों तक ही सीमित है। इस स्थिति की असल वजह सरकार के पास धन की सीमित मात्रा का होना तथा अन्य वरीयताओं का होना दिया जा सकता है। इसके बावजूद यह भी सच है कि स्वास्थ्यकर्मियों की सबसे बड़ी फौज को रोजगार इन्हीं सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों अथवा सरकारी अस्पतालों में मिला हुआ है। भविष्य में इनके लिए आधुनिक चिकित्सा उपकरणों को ऑपरेट करने वाले ट्रेंड टेक्नीशियन अथवा नई बीमारियों के नियंत्रण हेतु विशिष्ट ट्रेंड चिकित्सकों की नियुक्तियां बड़े पैमाने पर होंगी, इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। इन ट्रेंड चिकित्साकर्मियों में डॉक्टरों, पेरामेडिकल स्टाफ, नर्सिंग कर्मियों, लैब टेक्नीशियन, रेडियोलॉजिस्ट, फिजियोथिरेपिस्ट आदि का उल्लेख किया जा सकता है। देश में इंजीनियरिंग कॉलेजों की तुलना में फिलहाल मेडिकल कॉलेजों की संख्या बहुत कम है लेकिन आने वाले समय में इनकी संख्या में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि होने की पूरी-पूरी संभावना व्यक्त की जा सकती है।

फैशन कम्युनिकेशन क्षेत्र में हैं संभावनाएं

तेजी से बदलते फैशन के इस दौर में फैशन कम्युनिकेशन के क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट का काम अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। जब भी फैशन इंडस्टी की बात होती है तो लोग फैशन डिजाइनर या मॉडल बनने की ही चाहत रखते हैं। लेकिन यह एक ऐसी इंडस्टी है, जिसमें पिछले काफी सालों में बदलाव आया है और इसी कारण अब इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं ने जन्म दिया है। फैशन इंडस्टी में एक ऐसा ही करियर है फैशन कम्युनिकेशन है। यह तेजी से उभरता क्षेत्र है और अब युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ने लगा है।

संभावनाएं

फैशन कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद आप फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, फैशन पत्रकार, प्रोफेसर, डिजाइन सहायक, फैशन सहायक, फैशन मार्केटिंग मैनेजर, फैशन एडिटर, फैशन फोटोग्राफर, कला निर्देश आदि भूमिकाएं अदा कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद कई इंडियन व इंटरनेशनल ब्रांड के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

योग्यात

इसके लिए डिप्लोमा या बैचलर डिग्री की जरुरत रहती है। इसके बाद आप फैशन कम्युनिकेशन में ही मास्टर और डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके काम पर निर्भर करती है और अनुभव के साथ आमदनी भी बढ़ती है। वैसे शुरूआती दौर में आप सालाना 2 से 3 लाख रूपए आसानी से कमा सकते हैं।

क्या होता है काम

एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते हैं। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। अपने क्लाइंट व बिजनेस हाउस की तरफ से मीडिया के साथ कम्युनिकेट व डील करते हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट डिजाइन लेआउट, वेब पेज और मल्टीमीडिया डिजाइन डेवलप करता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में आपकी मार्केटिंग स्टेटजी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही आपमें कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग स्किल्स भी बेहतरीन होने चाहिए, इसके बिना आपको अपने क्षेत्र में कठिन संघर्ष करना पड़ सकता है। वहीं इस क्षेत्र में डेडलाइन पर काम करना होता है, इसलिए आपको कई-कई घंटे लगातार काम करना पड़ता है। इसलिए अगर आपमें धैर्य व कठिन परिश्रम करने की क्षमता नहीं है तो आप इस क्षेत्र में नहीं टिक पाएंगे।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, विभिन्न केन्द्र
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, गुजरात
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
- इंस्टीट्यूट ऑफ अपैरल मैनेजमेंट, गुरूग्राम
  जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली

पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी ने किया तिरंगा रैली का नेतृत्व,राष्ट्रीय ध्वज फहराने का दिया संदेश

हर घर तिरंगा अभियान के तहत सीहोर में निकाली गई तिरंगा रैली

पुलिस कप्तान ने हरी झंडी दिखाकर मोटर सायकल तिरंगा रैली को किया रवाना

रघुवर दयाल गोहिया, पुष्पांजली टुडे

सीहोर। 75 वाँ आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हर घर तिरंगा अभियान के तहत नागरिको को 13 अगस्त से 17 अगस्त तक अपने घर, संस्थान, दुकान, कार्यालयो पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगाने के ल

तिरंगा रैली को लेकर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी ने बताया कि इस समय हर घर तिरंगा अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सीहोर पुलिस ने भी शहर में बाईक रैली निकालकर तिरंगा अभियान के लिए जागरूकता कार्यक्रम किया है। हमारी लोगों से अपील है कि वे अपने-अपने घरों में तिरंगा जरूर फहराएं। हम आजादी के 75 वर्ष का उत्सव मना रहे हैं। इस उत्सव में प्रत्येक सीहोर वासी अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने

बताया कि यह जागरूकता कार्यक्रम जिले के सभी थाना क्षेत्रों में भी आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अलावा हम जल्द ही अन्य कार्यक्रम भी आयोजित करेंगे।

तिरंगा रैली कोतवाली परिसर से आरम्भ हो कर शहर के मुख्य मार्ग से होते हुये इंग्लिशपुरा , भोपाल नाका , बस स्टेण्ड, इन्दौर नाका, तहसील चौराहा , पुराना बस स्टेण्ड से कोतवाली चौराहा पर समाप्त हुई। सीहोर पुलिस द्वारा निकाली गई।तिरंगा रैली के दौरान जगह जगह शहर के नागरिको एव युवाओ ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अवस्थी भी तिरंगा रैली के साथ चले। उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गीतेश गर्ग, नगर पुलिस अधीक्षक निरंजन राजपूत , रक्षित नरीक्षक कविता डामोर ,कोतवाली थाना प्रभारी नलीन बुधोलिया, मण्डी थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र राठौर ,अजाक थाना प्रभारी अजय भदौरिया , कन्ट्रोल रूम प्रभारी करण ठाकुर , यातायात प्रभारी प्राची एव मीडिया प्रभारी अविनाश भोपले सहित जिले के अधिकारी एव कर्मचारी तिरंगा रैली मे मौजूद थे।

नरवर में किया गया हर घर तिरंगा जागरूकता रैली का आयोजन

अनिल कुशवाह प्रभारी

पुष्पांजलि टुडे शिवपुरी-खबर शिवपुरी जिले की तहसील नरवर से है जहाँ मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं साहस युवक मंडल नरवर के सहयोग से नरवर में जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक डॉ . सुश्री रीना शर्मा के मार्गदर्शन में ÷हर-घर तिरंगा अभियान÷ के तहत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह रैली सीएम राइज हायर सेकेंडरी स्कूल से प्रारंभ की गई एवं नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए लोढ़ी माता मंदिर महाराणा प्रताप चौराहे पर समाप्त की गई । इस रैली के दौरान नगर के मध्य महात्मा गांधी जी की प्रतिमा एक ख्म्मी छतरी पर जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्री महेश सिंह परिहार परिहार के द्वारा समस्त नगरवासी एवं दुकानदारों से आगामी 13 से 15 अगस्त तक घर-घर झंडा फहराने का अनुरोध किया गया एवं घर-घर झंडा फहराने के लिए

जागरूक किया गया । साहस युवक मंडल के अध्यक्ष श्री राकेश लक्षकार जी द्वारा घर-घर झंडा फहराने के नियमों के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में राजीव श्रीवास्तव, पवन भार्गव, नरेंद्र सेन, मयंक लक्षकार ,सीमा खटीक, जितेन्द्र प्रताप सिंह जादौन, सपना रावत, नीतू कुशवाह मालती कुशवाह ,पूनम कुशवाह राजकुमार कुशवाह, दीपक कुशवाह, संजय सिंह परिहार, वीरू बाथम,रवि कुशवाह एवं कई समाजसेवी उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत तहसील पलेरा तथा मोहनगढ़ में तिरंगा रैली आयोजित

सुनील कुमार अहिरवार

टीकमगढ़। कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार 13 से 15 अगस्त 2022 तक आयोजित होने वाले हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम को सफल जाने हेतु निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं, जिसमें शासकीय विभागों के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, विद्यालय तथा कॉलेज के छात्र-छात्रायें, स्थानीयजन हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के तराने गाते हुए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। इसीक्रम में जतारा एसडीएम श्री संजय जैन, तहसीलदार पलेरा डॉ. अंकिता तिवारी, जनपद सीईओ, नगर परिषद सीएमओ सहित अधिकारीगण, कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, शिक्षक, स्थानीयजन तथा मीडिया प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पलेरा तहसील में विशाल तिरंगा झंडा हाथों में लिये रैली का आयोजन किया गया। इसी प्रकार तहसीलदार मोहनगढ़ श्री जन्मेजय मिश्रा, अधिकारीगण, कर्मचारीगण तथा शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, शिक्षक, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्थानीयजनों उपस्थिति में मोहनगढ़ में रैली का आयोजन किया गया। हर घर तिरंगा अभियान के तहत स्कूली बच्चों और अधिकारियों में तिरंगा यात्राओं को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

युवा मंडल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया

पुष्पांजली टुडे ग्वालियर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की संस्था नेहरू युवा केन्द्र ग्वालियर एवं गिर्द विकास युवा मंडल सिमरिया टांका द्वारा दिनाँक 05/08/2022 से 08/07/2022 तक *युवा मंडल विकास कार्यक्रम* के अंतर्गत *हर घर तिरंगा अभियान* को सफल बनाने के लिए ग्राम सिमरिया टांका, इमलिया, जखा, ठाठी, रामपुर, पारि, आदिवासी पुरा, नाथों का पुरा, हुकुमगड, सीडना, पनियार, बरई, घाटीगांव, राई का पुरा, आरोन, पाटई, सभराई आदि ग्रामों में नवीन युवा मंडलों का गठन किया जाकर *तिरंगा रैलियों* का आयोजन किया गया, इस अवसर पर मण्डल के संचालक गजेन्द्र सिंह चौहान, वीरेंद्र रावत, भानु प्रताप सिंह चौहान, गजेन्द्र रावत, शैलेन्द्र चौहान, अभिषेक राठौर आदि युवा शामिल रहे, मण्डल के संचालक श्री चौहान द्वारा बताया कि मण्डल द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत अभी तक लगभग 200 झंडे विभिन्न ग्रामों में निशुल्क वितरित किये गए हैं जो 13 से 15 अगस्त के बीच अभियान के तहत सभी ग्रामवासियों द्वारा अपने अपने घरों पर फहराए जाएंगे, और ग्रामवासियों में राष्ट्रभक्ति का भाव जागृत किया जाएगा।

शिवपुरी जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव और उपाध्यक्ष अमित पटेरिया के साथ सभी सदस्यों में भी शपथ

अनिल कुशवाह प्रभारी

पुष्पांजलि टुडे शिवपुरी- जिला की नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव उपाध्यक्ष अमित पटेरिया और सभी जिला पंचायत सदस्य ने आज शिवपुरी जिला पंचायत कार्यालय पर शपथ ग्रहण की इस मौके पर मध्य प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री सुरेश राठखेड़ा मध्य प्रदेश मध्य प्रदेश शासन में राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त प्रहलाद भारती राज मंत्री दर्जा प्राप्त जसवंत जाटव पूर्व विधायक ओमप्रकाश खटीक पूर्व विधायक महेंद्र यादव और सभी सदस्यों के बीच आज जिला पंचायत अध्यक्ष उपाध्यक्ष और सभी सदस्यों ने शपथ ग्रहण की इस मौके पर जिला कलेक्टर अक्षय सिंह पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल अपर कलेक्टर नीतू माथुर मौजूद रहे शपथ ग्रहण समारोह के दौरान नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने बताया की आज का दिन नवनिर्वाचित अध्यक्ष के लिए बहुत खास है और इस

मौके पर उन्होंने अपने दादाजी पूर्व विधायक स्वर्गीय राम सिंह यादव को याद करते हुए कहा की जिला पंचायत के जिस वार्ड से उनके दादाजी स्वर्गीय श्री राम सिंह यादव जी पहली बार चुनाव लड़कर जिला पंचायत अध्यक्ष बने थे आज उनके आशीर्वाद से नवनिर्वाचित अध्यक्ष उसी उसी वार्ड के जिला पंचायत सदस्य बनकर अध्यक्ष बनी है इस मौके पर उन्होंने अपने सभी सहयोगियों का आशीर्वाद प्राप्त किया और जनता जनार्दन का धन्यवाद किया जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि इन को मार्गदर्शन देने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के मार्गदर्शन से उन्होंने राजनीति में कदम रखा और आज उनके आशीर्वाद से ही वह जिला पंचायत अध्यक्ष बनी है इस मौके पर मौजूद सभी लोगों ने उनको बधाइयां दी और उज्जवल भविष्य की कामना करें सभी सदस्यों ने अभी इसी के साथ शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेकर शपथ ग्रहण की और आने वाले समय में अपने अपने क्षेत्र पंचायत में तमाम विकास की योजनाओं से अपने क्षेत्र की जनता को लाभान्वित करने का वचन दिया आने वाले स्वतंत्रता दिवस के बाद में जिला पंचायत की पहली बैठक बुलाई जाएगी यह साहबान नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष के द्वारा किया जाएगा।

यजुर्वेद के मंत्रोच्चारण से गूंज उठा अमलीपदर

आदर्श रामायण मंडली ने किया धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन

ब्यूरो चीफ अश्वनी अवस्थी

छत्तीसगढ। पवित्र श्रावण मास के पावन अवसर पर आदर्श रामायण मंडली अमलीपदर के तत्वाधान में अंतिम श्रावण सोमवार को नगर के दुर्गामंदिर परिसर में स्थित शिवलिंग में महा रूद्राभिषेक यज्ञ का धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया था !इस यज्ञ में यजमान के रूप में श्री प्यारेलाल दूबे एवं उनकी धर्मपत्नि श्रीमती प्रतिभा दुबे पूजन कार्य में उपस्थित रहे !इस धार्मिक अनुष्ठान के आचार्य श्री दुर्गा मंदिर अमलीपदर के पुजारी श्री युवराज पाण्डेय जी ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ विधि विधान से महारूद्राभिषेक यज्ञ को सम्पन्न कराया !इस धार्मिक अनुष्ठान में अमलीपदर नगर के नर-नारियों एवं क्षेत्रभर के शिव भक्तों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और पार्थिव लिंग बनाकर पुष्प,बेलपत्र,जल,दूध,फलमूल इत्यादि चढ़ाकर मनोवांछित फल की प्राप्ति हेतु मनोकामना किया !इतना ही नही बल्कि यज्ञ में उपस्थित आदर्श रामायण मंडली के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भी यज्ञ में आहूति देकर संपूर्ण क्षेत्र एवं विश्वशांति कि कामना की !इस अवसर पर ग्राम गोढ़ियारी कांदाडोंगर परिक्षेत्र के अनेक बोलबम समितियों के कांवरियों ने भी दूर्गा मंदिर परिसर में भगवान शिव जी के लिंग में पुष्प,बेलपत्र पत्र,जल इत्यादि चढ़ाकर यज्ञ की आहूति दी !और यज्ञ पूर्णाहूति के उपरांत पार्थिव लिंग को श्रद्धालुओं ने भजन कीर्तन करते हुए नगर में स्थित सरोवर में विसर्जन किया !इस पावन यज्ञ मे आदर्श ग्राम अमलीपदर अके नर-नारी एवं क्षेत्रभर के श्रद्धालुगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे !

पुलिस थाना पिछोर की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो राउंड 315 बोर के जिंदा जप्त किए व एक आरोपी फरार

राकेश परिहार।

पिछोर,
पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश चंदेल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी प्रवीण कुमार भूरिया व एसडीओपी पिछोर दीपक सिंह तोमर के निर्देशन में व थाना प्रभारी पिछोर गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में चलाए जा रहे गुंडा विरोधी अभियान के अंतर्गत पुलिस थाना पिछोर की टीम ने छत्रसाल कॉलेज पिछोर के मैदान में मुखबिर की सूचना पर वारदात की नियत से खड़े आरोपी राव सिंह लोधी निवासी बदनपुर थाना पिछोर को दबोच कर उसके कब्जे से दो जिंदा राउंड 315 बोर की जप्त किए विगत सात आठ दिन पहले जय कुमार लोधी निवासी पिपरा का विवाद सतीश पाल निवासी ग्राम बड़ी सिनावल से छत्रसाल कॉलेज पिछोर में हो गया था इसी बात पर जय कुमार लोधी ने दो राउंड 315 बोर के राव सिंह लोधी को दिए व एक कट्टा 315 बोर का अपने पास रखा जय कुमार लोधी व राव सिंह लोधी दोनों मिलकर सतीश पाल के साथ कोई गंभीर घटना घटित कर सकते थे लेकिन पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर राव सिंह लोधी को दबोच लिया अपराध धारा 27 आर्म्स 109 आईपीसी का पंजीबद्ध किया फरार आरोपी जयकुमार लोधी निवासी ग्राम पिपरा थाना बामोर कला की तलाश जारी है पुलिस थाना पिछोर की टीम में एसआई शैलेंद्र सिंह चौहान प्रधान आरक्षक राजेंद्र यादव अरविंद यादव दीपक चौहान हीरा सिंह पाल आरक्षक बृजेश राणा हीरा मौर्य राघवेंद्र पाल रामनाथ रावत जितेंद्र गुर्जर कमल सिंह माजी व बचन सिंह तोमर शामिल रहे।

मध्यप्रदेश नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह की अगुवाई में कॉंग्रेस की बैठक सम्पन्न

मकॉंग्रेस के जमीनी कार्यकर्ता हैं मेरी ताकत-डॉ.गोविंद सिंह

नगर परिषद उपाध्यक्ष उम्मीदवार होंगे हाकिम सिंह चौधरी

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ.गोविंद सिंह के द्वारा स्थानीय कॉंग्रेस कार्यालय पर सोमवार के दिन एक बैठक बुलाई गई जिसमें डॉ.गोविंद सिंह ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को परिषद चुनाव की जीत की बधाई देते हुए सभी पार्षदों से कहा कि अभी तक नगर परिषद कार्यालय में जो भी हुआ कोई बात नही है लेकिन अब ध्यान दे परिषद पूरे कायदे व कानून के साथ चलनी चाहिए दबोह के 15 वार्डों को अच्छी तरह से चमका दो विकास की लहर एक ही वार्ड में सिमट कर न रह जाये सभी वार्डो में क्रमानुसार विकास होंना चाहिए पिछली परिषद के दौरान जो नही हो पाया उसकी पूर्ति करो अब मुझे दबोह नगर में ही विकास करना है इसी बजह से इस बार मैने पार्टी के लिए तन मन से काम करने बाले कार्यकर्ताओं को पार्टी का टिकट दिलाया था जिससे परिषद सही ढंग से चल सके।इस बार कॉंग्रेस पार्टी का कोई भी पार्षद ठेकेदारी नही करेगा।गरीबो की सुनवाई होनी चाहिए मैने सुना है कि कई गरीबो को अभी तक आवास नही मिले है जो कि वास्तव में आवास के हकदार है ऐसे लोगो की तलाश करो और उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाओ सभी पार्षद सही तरीके से एक बात अपने दिमांग में बिठा ले कि यह चुनाव आप लोग अपनी बजह से नही बल्कि नगर की जनता के विश्वास और कॉंग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत से जीते है इसलिए जनता ने जो विश्वास जिस उम्मीद से आप सभी पर जताया है उसकी कदर करते हुए इनकी समस्याओं का समाधान कर ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करे। तो जनता आपको दोबारा भी मौका देगी आज लहार विधानसभा के अंदर मेरी ताकत है विधानसभा क्षेत्र की जनता एवं कॉंग्रेस पार्टी का जमीनी स्तर का कार्यकर्ता है। जो मुझे जीताने के लिए हर बार जी जान से मेहनत करता है। क्योंकि मैं अपने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का सम्मान करता हूँ उन्हें शासन से प्राप्त सभी योजनाओं का लाभ दिलाता हूँ उनकी सहायता हेतु हर सम्भव प्रयास करता हूँ इसीलिए जनता और कार्यकर्ता मुझे हर बार जिता कर अपनी सेवा का अवसर देते है। इस दौरान डॉ.गोविंद सिंह ने नगर परिषद उपाध्यक्ष नॉमिनी के लिए वार्ड.4 से चुनाव जीते हाकिम सिंह चौधरी के नाम की घोषणा की और कहा कि हाकिम चौधरी पार्टी का एक अहम हिस्सा है इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि वह पार्टी के लिए जनता सेवा करने में कोई कसर नही छोड़ेगा।बैठक में मौजूद कॉंग्रेस के प्रदेश महामंत्री शिवनरायण दुबे बल्लू बकील,भिंड जिला कॉंग्रेस प्रवक्ता राजाभैया पाल,लहार ब्लॉक कॉंग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजू मोलया,लहार जनपद उपाध्यक्ष रामेश्वर दयाल कौरव ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष की तारीफ की एवं कार्यकर्ताओ को धन्यवाद दिया और एकजुट रहने की अपील की।

नवनिर्वाचित नगर पंचायत रन्नौद शपथ ग्रहण चल रहा समारोह जिसमें मुख्य

अतिथि भारतीय जनता पार्टी से विधायक श्री वीरेंद्र रघुवंशी जी रहे उपस्थित सभी पार्षद गण रहे अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी कुशवाहा एवं उपाध्यक्ष श्रीअमित भोहोरे के साथ सभी पार्षदों ने शपथ ली

हरिओम परिहार की रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जिला की नवनिर्वाचित नगर परिषद रन्नोद मैं तहसील प्रांगण में आज शपथ ग्रहण की अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष जिन्होंने कहा कि 5 वर्ष तक सही तरीके से काम किया जाएगा नगर परिषद रन्नौद तहसील प्रांगण पर शपथ ग्रहण की इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के विधायक श्री वीरेंद्र सिंह रघुवंशी जी और सभी सदस्यों के बीच आज नगर परिषद रन्नौद सभी पार्षदों को शपथ ग्रहण दिलवाया गया जहां सीएमओ रामभरोसा शर्मा जी द्वारा शपथ समारोह के दौरान सभी को शपथ दिलाई नगर परिषद रन्नौद पार्षदों के द्वारा पहली बार अध्यक्ष चुनाव लड़कर आज उनके आशीर्वाद से नवनिर्वाचित आशीर्वाद प्राप्त किया सभी लोगों ने उनको बधाइयां दी और उज्जवल भविष्य की कामना की सभी पार्षदों ने अपने अपने क्षेत्र नगर में तमाम विकास की योजनाओं से अपने क्षेत्र की जनता को लाभान्वित करने का वचन दिया आने वाले स्वतंत्रता दिवस के बाद में काम जारी किया जाएगा

आदर्श रामायण मंडली ने किया धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन

ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ अश्वनी अवस्थी। पवित्र श्रावण मास के पावन अवसर पर आदर्श रामायण मंडली अमलीपदर के तत्वाधान में अंतिम श्रावण सोमवार को नगर के दुर्गामंदिर परिसर में स्थित शिवलिंग में महा रूद्राभिषेक यज्ञ का धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया था।इस यज्ञ में यजमान के रूप में श्री प्यारेलाल दूबे एवं उनकी धर्मपत्नि श्रीमती प्रतिभा दुबे पूजन कार्य में उपस्थित रहे।इस धार्मिक अनुष्ठान के आचार्य श्री दुर्गा मंदिर अमलीपदर के पुजारी श्री युवराज पाण्डेय जी ने वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ विधि विधान से महारूद्राभिषेक यज्ञ को सम्पन्न कराया।जिससे पुरा नगर शिवमय हो गया।इस धार्मिक अनुष्ठान में अमलीपदर नगर के नर-नारियों एवं क्षेत्रभर के शिव भक्तों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और पार्थिव लिंग बनाकर पुष्प,बेलपत्र,जल,दूध,फलमूल इत्यादि चढ़ाकर मनोवांछित फल की प्राप्ति हेतु मनोकामना किया।इतना ही नही बल्कि यज्ञ में उपस्थित आदर्श रामायण मंडली के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भी यज्ञ में आहूति देकर संपूर्ण क्षेत्र एवं विश्वशांति कि कामना की।इस अवसर पर ग्राम गोढ़ियारी कांदाडोंगर परिक्षेत्र के अनेक बोलबम समितियों के कांवरियों ने भी दूर्गा मंदिर परिसर में भगवान शिव जी के लिंग में पुष्प,बेलपत्र,जल इत्यादि चढ़ाकर जलाभिषेक कर यज्ञ की आहूति दी।और यज्ञ पूर्णाहूति के उपरांत पार्थिव लिंग को श्रद्धालुओं ने भजन कीर्तन करते हुए नगर में स्थित सरोवर में विसर्जन किया।इस पावन यज्ञ मे आदर्श ग्राम अमलीपदर के नर-नारी एवं श्रद्धालुओं ने भगवान महादेव के के लिंग में जलाभिषेक कर क्षेत्रवासियों के सुख शांति की कामना की।इस मौके पर समस्त ग्रामवासी कांदाडोंगर अंचल बोलबम समिति के कांवरिया शिव भक्त एवं अनेक श्रद्धालुगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट में टीएल की बैठक आयोजित की गई कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी अध्यक्षता में

सुनील कुमार अहिरवार टीकमगढ़। कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री द्विवेदी ने सीएम हेल्पलाईन तथा टीएल के लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अभय सिंह ओहरिया, एसडीएम टीकमगढ़ श्री सीपी पटेल, एसडीएम बल्देवगढ़ श्री सौरभ मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर डॉ अभिजीत सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शिवपुरी पुलिस ने हर घर तिरंगा अभियान के चलते निकाली तिरंगा रैली

अनिल कुशवाह प्रभारी पुष्पांजलि टुडे शिवपुरी। देश भर मे स्वतंत्रा की 75वीं वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है इसी उपलक्ष मे शिवपुरी पुलिस द्वारा भी तिरंगा यात्रा निकाल कर लोगों को हर घर तिरंगा घर-घर तिरंगा अभियान मे जुड़ने के लिये प्रेरित किया जा रहा है । आज दिनांक 08.08.2022 को श्रीमान पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया के मार्गदर्शन मे थाना सीहोर पुलिस ग्राम सीहोर मे शासकीय स्कूल के बच्चों के साथ, थाना भौंति पुलिस द्वारा खोड़ कस्वे मे शासकीय स्कूल के बच्चों के साथ तिरंगा यात्रा निकालकर लोगों को प्रेरित किया ।

सुगि हब्बा 2022 कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पुष्पाजंली टुडे बेंगलुरू। सोमवार को एम ई एस कला वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय मलेश्वरम द्वारा आयोजित सुगि हब्बा 2022 कार्यक्रम का आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं प्राचार्य उषा रानी उपस्थित थे। महेंद्र मुणोत ने विद्यार्थियों को धन्यवाद देकर उत्साह बढाया ।इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोनकर्ता की ओर से महेंद्र मुणोत को धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया ।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर प्रशासन ने निकाली तिरँगा रैली

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे। गोहद हर घर तिरंगा अभियान जो पूरे देश मे बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। देश के नागरिकों खासकर युवा पीढ़ी में देशभक्ति की भावना व अपने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान आजादी के 75वे अमृत महोत्सव के तहत इस बार स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा फहराया अभियान के तहत गोहद अनुभाग में प्रशासन द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई जो नगर पालिका से प्रारम्भ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकली। इस यात्रा में प्रमुख रुप से एसडीएम शुभम शर्मा, एसडीओपी सौरभ कुमार, थाना प्रभारी राजेश सातनकर, रविन्द्र शर्मा, सीएमओ सतीश दुबे, कन्या विद्यालय के प्राचार्य केएल शेजवार, आचार्य ब्रजमोहन शर्मा व प्रशासन के अन्य अधिकारी ,कर्मचारी व शिक्षक उपस्थित रहे।

थाना प्रभारी की समझाइश के बाद पति हुआ पत्नी को साथ ले जाने तैयार

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे । गोहद थाना क्षेत्र के अंतर्गत छतरपुर का वार्ड क्रमांक एक में रहने वाला मुकेश प्रजापति जोकि शादी के बाद से अहमदाबाद जाकर कार्य करने लगा एवं पत्नी को शादी के एक वर्ष बाद ही घर गोहद छोड़ दिया जिससे पत्नी एवं पति दूर दूर रह रहे थे रविवार की शाम मुकेश की पत्नी सपना प्रजापति गोहद थाना प्रभारी के पास अपनी फरियाद लेकर पहुंची और बताया कि पति अहमदाबाद में कार्य करता है साथ ले जाने के लिए राजी नहीं होता जिस बात पर थाना प्रभारी राजेश शातनकर ने पति पत्नी दोनों को बैठाकर समझाया जिस पर मुकेश अपनी पत्नी को अपने साथ रखने के लिए तैयार हुआ जिसके बाद पति पत्नी ने दोनों के माता-पिता एवं थाना प्रभारी के समक्ष गले में माला डालकर अपनाया।

सुंदरा प्राचार्य एक बार फिर सुर्खियों में, विश्वनाथ शुक्ला पर लगे पैसे लेने और गंभीर अनियमितताओं के आरोप

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा

शिक्षक जहां एक ओर पवित्र कर्म माना जाता है वही दूसरी ओर कुछ शिक्षक ऐसे भी है जिन्होंने शिक्षा जगत का नाम डुबाने में कोई कसर नहीं रखी है ,ऐसा ही एक मामला पन्ना जिले के अंतर्गत सुंदरा में दशकों से पदस्थ प्राचार्य विश्वनाथ शुक्ला का सामने आया है संकुल अंतर्गत कार्यरत बालकेश त्रिपाठी ने लिखित आवेदन में संकुल प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाते हुए लिखा है की इनके द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से पैसे लिए जाते है वही कभी कभार विद्यालय आते है उपस्थित पंजिका जो की सरकारी रिकॉर्ड है अपने निवास सतना लेकर जाते है एवम इनके प्राचार्य रहने से विद्यालय में आराजकता का माहौल बना हुआ है,वही संकुल अंतर्गत आने वाले अशासकीय विद्यालयों के कई संचालकों द्वारा उच्चाधिकारियों को लिखित आवेदन देकर बताया गया है की टीसी में काउंटर साइन ,रिजल्ट अनुमोदन जैसे कामों में संकुल प्राचार्य शुक्ला द्वारा पैसे की मांग की जाती है,यही नहीं संचालकों द्वारा पैसे न देने पर मान्यता रद्द करने, बेवजह परेशान करने जैसी धमकी खुले आम दी जाती है।

सूत्रों की माने तो संकुल प्राचार्य जिला शिक्षा अधिकारी के कृपा पात्र है जिसकी वजह से इन पर इतनी शिकायतों के बावजूद कोई कार्यवाई नही होती है।मीडिया के जाने पर भी कई बार विद्यालय में अनुपस्थित मिले है उस दौरान न ही किसी को लिखित प्रभार देकर गए न ही आदेश पंजी सामने आई। आखिर ऐसे आरोपों से घिरे संकुल प्राचार्य पर जिला प्रशासन इतना मौन क्यों है समझ से परे है।पर इतना तो तय है की इतने गंभीर आरोपों से घिरे संकुल प्राचार्य पर जब भी जांच होगी कई चिट्ठे खुलते नजर आएंगे।

सूत्रों की माने तो इनके अधिनस्थ शिक्षक इनसे इतना डरते है की इनके हर गलत कार्य पर हामी भरते नजर आते है क्योंकि उन्हे भी प्रताड़ित करने की धमकी दी जाती है।

सूत्रों की माने तो 10 सालों से जमे संकुल प्राचार्य द्वारा शासकीय राशि का भी खुल कर दुरुपयोग किया गया है बीते 10 सालों में ,जिसकी बानगी इनकी लाइफ स्टाइल है जो की करोड़पति से कम नहीं जो एक प्राचार्य के पद पर रहते हुए संभव हो ही नही सकती।

बहरहाल यदि कुंभकर्णी नींद में सोए अधिकारी जाग गए और शिकायतों पर संज्ञान लेने लगे तो निश्चित ही बड़ी धांधली सामने आएगी। शिक्षा जगत की साख बचाने और बच्चो के भविष्य को देखते हुए ऐसी गंभीर शिकायतों पर उच्चाधिकारियों का संज्ञान लेना बहुत जरूरी है यदि ऐसा नहीं होता तो उच्चाधिकारियों की नैतिकता पर भी सवाल खड़े होना लाजमी है।

इनका क्या कहना : संकुल प्राचार्य द्वारा भरी अनिमितताएं कई वर्षो से की जा रही है सप्ताह में एक दो दिन स्कूल ,सरकारी दस्तावेज घर ले जाना ,शिक्षको और निजी स्कूल संचालकों को दवाब बनाकर पैसे ऐंठना इनकी कार्यशैली में शामिल हो चुका है।मैंने उच्च अधिकारियों को लिखित में शिकायत की है।इनको यहां से हटाकर कार्यवाही की जाना चाहिए।

शा. मा. वि. एवं शा. उ. मा. वि. अकोड़ा मै संयुक्त संकल्प टीम के माध्यम से वृक्षारोपण किया गया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । संयुक्त संकल्प 1101 वृक्षा रोपण टीम के संरक्षक विकलांग बल के राज सचिव सौरव बघेल आजाद अध्यापक के जिलाध्यक्ष बदन सिंह बघेल ने शा मा. वि एवं शा. उ. मा. वि अकोड़ा मै स्कूल के समस्त स्टाप एवं छात्र छात्राओं के साथ मिलकर आधा सैकड़ा वृक्षों का रोपण इस अवसर पर राज्य सचिव सौरभ बघेल ने कहा की प्रकृति हमारी मित्र है हम सबको प्रकृति की रक्षा हेतु नियमित वृक्षारोपण रोपण करना चाहिए उन्होंने कहा की अभी वर्षात का मौसम चल रहा है जो वृक्षारोपण के लिए उचित समय रहता है हम सब भारतीय वर्ष मै कम से कम एक पेड़ जरूर लगाये नौजवान युवा पीढ़ी पेड़ लगाकर फेसबुक व्हाट्सप्प पर केवल दिखावटी कार्य ना करे पेड़ लगाया है तो उसकी देख रेख जरूर करे जिससे बह पौधा पूर्ण रुप से अपना आकर देकर हमें शुद्ध हवा प्रदान कर वातावरण को प्रदूषण रहित करें इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बदन सिंह बघेल ने कहा की हमें पेड़ पौधे प्राणवायु हबा प्रदान करते है हमें जन्मदिन और अन्य उत्सव पर एक एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए बघेल ने कहा अभी तक हमने एक हजार से अधिक वृक्षों का रोपण सुचारु रूप से कर चुका हूंअब हमारा संकल्प पुरा होने बाला है 1101वृक्ष रोपड़ का

इस अवसर पर प्राचार्य एस के गौतम ने कहा अधिक से अधिक वृक्षों का का रोपण करना चाहिए सोनी कहां विशेषकर युवा पीढ़ी वृक्षारोपण कार्यक्रम में अपनी भागीदारी जरूर करें जिससे वृक्षा रोपण कार्यक्रम भव्य और शानदार बनेगा।

इस कार्यक्रम मै उपस्थित रहे एस के गौतम अलका,मैडम बदन बघेल सौरभ बघेल, रविंद्र मोहम्मद अंसारी, शिक्षक अंकित श्रीवास ,रविंद्र बघेल गिर्राज भदौरिया ,राजवीर बघेल एवं छात्र छात्राएं।

सभी बच्चों को पढ़ाएं जिससे वह आगे बढ़ सके: राज्यपाल

सहरिया आदिवासी परिवारों से किया संवाद

ग्राम हातोद में कई कार्यक्रमों में भाग लिया

अनिल कुशवाह प्रभारी

पुष्पांजलि टुडे शिवपुरी- राज्यपाल श्री मंगु भाई पटेल शिवपुरी जिले के भ्रमण पर आये। रविवार की शाम राज्यपाल श्री पटेल शिवपुरी पहुंचे और जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से चर्चा की। विभिन्न प्रतिनिधि मंडलों से मुलाकात की। सोमवार को शिवपुरी में तात्या टोपे समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद ग्राम हातोद के लिए रवाना हुए और हातोद ग्राम में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया।

इस दौरान लोक निर्माण विभाग राज्यमंत्री श्री सुरेश धाकड़, राज्यमंत्री दर्जा श्री प्रहलाद भारती, विधायक श्री वीरेंद्र रघुवंशी, जिलाध्यक्ष श्री राजू बाथम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता रावत, पूर्व विधायक श्री जसवंत जाटव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री पटेल ने ग्राम हातोद पहुंचकर कन्या पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की और नवीन आंगनवाड़ी भवन का भूमि पूजन किया। ग्राम हातोद में सहरिया आदिवासी परिवारों से संवाद करते हुए कहा कि सभी बच्चों को पढ़ाएं। तभी वह आगे बढ़ेंगे। बच्चों की अच्छी शिक्षा बहुत जरूरी है। उन्होंने सिकल सेल एनीमिया बीमारी पर चर्चा करते हुए कहा कि यह बच्चों के लिए बहुत घातक होती है। आदिवासी परिवारों में पहले मरीजों को चिन्हित करें जिससे समय पर इलाज किया

नवजात के लिए स्तनपान है पहला टीका- सीएमएचओ डॉ.पवन जैन

मेडिकल कालेज में विश्व स्तनपान सप्ताह का समापन कार्यक्रम आयोजित अनिल कुशवाह प्रभारी

पुष्पांजलि टुडे शिवपुरी- दुनियाभर में अगस्त महीने के पहले हफ्ते को विश्व स्तनपान सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। इसके लिए शक्तिशाली महिला संगठन, महिला बाल विकास, ब्रिटानिया न्यूट्रिशन फाउंडेशन, स्वास्थ्य विभाग एवं मेडिकल कॉलेज शिवपुरी द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह थीम स्टेप फॉर ब्रेस्ट फीडिंग एजुकेट एंड सपोर्ट के साथ वैश्विक स्तर पर नवजात स्वास्थ्य कल्याण के लिए स्तनपान को प्रोत्साहित किया। स्तनपान सप्ताह का समापन पर सीएमएचओ डॉ.पवन जैन के मुख्य आतिथ्य में क्विज प्रतियोगिता के विजेता अंडर ग्रेजुएट डॉक्टर को प्रमाण पत्र, ट्रॉफी एवं एक-एक पौधा प्रदान की गई। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.के.वी.वर्मा ने कहा कि गर्भावस्था से लेकर बच्चे के जन्म तक किसी कुशल परिचारक और चिकित्सक का साथ भी आवश्यक होता है, हाल के वर्षों में इस दिशा में काफी सुधार हुआ है, जिसका सुखद परिणाम मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी के रूप में देखने को मिल रहा है। जन्म के पहले घंटे के भीतर ही बच्चे को स्तनपान शुरू कराने पर जोर दिया जाता है। मां का पहला गाढ़ा पीला दूध बच्चे के लिए अमृत के समान होता है।

सीरवी समाज मारतहल्ली वडेर की नयी कार्यक्रम का गठन

पुष्याजंली टुडे बेंगलूरू। सीरवी समाज मारतहल्ली वडेर प्रांगण में रविवार को नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया ।सर्वप्रथम आईमाती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर आम सभा का आयोजित किया गया ।जिसमें नयी कार्यकारिणी चुनाव किया गया सर्वसहमति से अध्यक्ष कालुराम भायल, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश चोयल, सचिव वालाराम गेहलोत, सहसचिव सूराराम राठौड़, कोषाध्यक्ष चुन्नाराम काग, सह कोषाध्यक्ष सोनाराम पंवार, संचार मंत्री चोलाराम भायल, सह संचार मंत्री सेषाराम पेरेरिया, संरक्षक मांगीलाल भायल को चुना गया ।अध्यक्ष कालुराम ने सभी नयी कार्यकारिणी सदस्यों को धन्यवाद दिया । सीरवी समाज महासभा कर्नाटक की तरफ से चुने गये नए पदाधिकारीयों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

उपनगर ग्वालियर में निकली महाकाल की शाही सवारी

-हजारों की संख्या में भक्तों ने लिया भाग
-झूमते-गाते नजर आये हजारों श्रद्धालु
-हजारों महिलाएं और युवतियां हुईं शामिल

ग्वालियर। उपनगर ग्वालियर के कांचमील क्षेत्र की हनुमान जी की बगिया में चल रही शिव महापुराण कथा के निमित्त आज महाकाल की भव्य सवारी निकाली गई। जिसमें ग्वालियर, उपनगर ग्वालियर और कांचमील क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

शाही पालकी में सवार होकर निकले महाकाल

हनुमान जी की बगिया से निकाली गई पालकी भक्तों द्वारा शाही तरीके से सजाई गई थी। जिसमें महाकाल विराजे थे। उस दिव्य पालकी को फूल मालाओं से कुछ इस तरह से सजाया गया था जिससे वह देखने में अनोखी और भव्य नजर आ रही थी। इसके पीछे श्री श्री 1008 अवधूत श्री राधिकानंद जी महाराज (ओंमकालेश्वर) की पालकी चल रही थी। महाकाल की शाही सवारी कांचमील रोड से शुरू होकर कम्यूनिटी हॉल, बीजासेन की माता से होती हुई स्टेटबैंक

पहुंची वहां से होती हुई हजीरा से वापस कांचमील कथा स्थल पहुंची।

जगह-जगह हुआ महाकाल की शाही पालकी का भव्य स्वागत

महाकाल की शाही पालकी और यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत हुआ, लोग फूल-माला लिये पालकी के आने की प्रतीक्षा कर रहे थे। पालकी जैसे-जैसे अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी वैसे-वैसे लोग अपने-अपने घरों और सड़कों पर उसका पुष्प वर्षा से स्वागत कर नमन कर रहे थे।

डीजे की धुन पर थिरकते नजर आये हजारों श्रद्धालु

सवारी के साथ डीजे की धुन पर महाकाल के भजनों पर भक्तगण झूमते और नाचते-गाते नजर आये। इस भव्य यात्रा में शामिल सभी भक्तगण चाहे वह महिला और पुरुष हो या बच्चे-बच्चियां सभी इस तरह से महाकाल की भक्ति के गानों पर थिरकते नजर आये जैसे सभी पर भांग का नशा चढ़ा हो, लेकिन लेकिन वह भांग के नशे में नहीं बल्कि भोलेनाथ की भक्ति के नशे में झूमते-गाते चले जा रहे थे।

आकर्षक झाकियों ने लोगों का मन मोहा

जगह-जगह रास्ते में आकर्षक झाकियों ने लोगों का मन मोह लिया। इसमें महाकाल और गौरा माता के वेश में शामिल कलाकारों ने रास्ते चले लोगों को रुकने पर मजबूर कर दिया। इस आकर्षक झांसी में डांस और भोले तथा गोरा मैया की नोंकझोंक लोगों को काफी पसंद आ रही थी। यात्रा के आधी दूरी से शुरू हुई यह झांकीं समापन तक लोगों के मनोरंजन का केंद्र बनी हुई थी। रास्ते में इस झांकी के कलाकारों ने कुछ करतब भी दिखाये, जो लोगों के मन को आनंदित कर गये।

यात्रा का समापन कांचमील हनुमान की बगिया में हुआ

महाकाल की शाही सवारी की यात्रा की जहां से शुरूआत हुई थी वहीं आकर यात्रा का समापन हुआ। यात्रा दोपहर 3:30 बजे शुरू होकर सायं 7 बजे समापन हुआ। ऐसी यात्रा उपनगर ग्वालियर में पहली बार निकाली गई, जिसमें उपनगर ग्वालियर वासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

नवगठित जिला पंचायत का शपथ ग्रहण समारोह एवं प्रथम सम्मेलन सम्पन्न

दलगत भावना से ऊपर उठकर ग्रामीण अंचल के विकास के लिए साझा प्रयास करें - श्री भारत सिंह
राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में हुआ आयोजन

ग्वालियर। नवगठित जिला पंचायत का शपथ ग्रहण समारोह एवं प्रथम सम्मेलन सोमवार को उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। यहाँ सिरोल रोड़ पर नवीन जिला पंचायत भवन में आयोजित हुए इस समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव एवं उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका सतेन्द्र सिंह घुरैया सहित जिला पंचायत के अन्य सदस्यगणों को शपथ दिलाई गई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी ने सभी को शपथ दिलाई।

इस अवसर पर उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव व उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंका घुरैया सहित जिला पंचायत के सभी सदस्यों को बधाई दी। साथ ही कहा कि जिले के ग्रामीण अंचल के समग्र विकास के लिये जिला पंचायत के सभी पदाधिकारी व सदस्यगण दलगत भावना से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयास करें। उन्होंने जिला पंचायत सदस्यों का आह्वान किया कि जनता द्वारा जिस उम्मीद के साथ आप सबको चुना गया है, उस पर खरा उतरें। साथ ही जो शपथ आप सबने ली है, उसे साकार करें। श्री कुशवाह ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शहरों को स्मार्ट बनाने के साथ-साथ ग्रामीण अंचल के विकास के लिये कृत संकल्पित है। इसमें पंचायतीराज संस्थाओं की भी अहम भूमिका है।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश जाटव ने प्रथम सम्मेलन में कहा कि हम सब मिल-जुलकर ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये प्रयास करेंगे। साथ ही सरकार की योजनाओं को हर जरूरतमंद तक पहुँचाने के प्रयास भी पूरी शिद्दत के साथ किए जायेंगे।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी ने भरोसा दिलाया कि जिला पंचायत के पदाधिकारियों के साथ जिला पंचायत के सभी अधिकारी-कर्मचारी एक परिवार की तरह काम करेंगे। साथ ही सरकार की मंशा के अनुरूप स्थानीय समस्याओं के निराकरण और जरूरतमंद तक सरकार की योजनाओं को पहुँचाने में पूरा तकनीकी सहयोग प्रदान करेंगे।

आरंभ में मुख्य अतिथि श्री कुशवाह एवं अन्य अतिथियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. विजय दुबे ने किया।

हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का किया आह्वान

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने जिला पंचायत के प्रथम सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के 75वे वर्ष को आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। साथ ही सभी में राष्ट्र भक्ति की भावना का संचार करने के उद्देश्य से हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। त्रि-स्तरीय पंचायत राज संस्थाओं के पदाधिकारी भी इसमें सक्रिय भागीदारी बनभाएँ और ऐसे प्रयास करें कि 13 से 15 अगस्त तक हर घर में राष्ट्रध्वज तिरंगा लहराए।

प्रारंभिक शिक्षा जितनी अच्छी होगी विद्यार्थी उतनी अधिक उन्नति करेंगे - श्री कुशवाह

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में शिक्षकों की विचार गोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर। शिक्षा राष्ट्र निर्माण का सबसे अहम पहलू है। प्रारंभिक शिक्षा जितनी अच्छी होगी विद्यार्थी उतनी अधिक उन्नति करेंगे। इसलिए प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करने वाले गुरू एवं शिक्षक हमारी संस्कृति में विशेष रूप से सम्माननीय माने जाते हैं। हमारी संस्कृति में माता - पिता के साथ गुरू का स्थान सबसे ऊपर रखा गया है। इस आशय के विचार उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने व्यक्त किए। श्री कुशवाह सोमवार को यहाँ बाल भवन में जिले की प्रारंभिक शिक्षा को और अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से आयोजित हुई विचार गोष्ठी सह बुनियादी, साक्षरता एवं संख्या ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों के एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह ने की। इस विचार गोष्ठी सह प्रशस्ति पत्र वितरण समारोह में मुरार ग्रामीण क्षेत्र के लगभग 250 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। साथ ही 4 मास्टर ट्रेनर्स को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत मुरार के अध्यक्ष श्री दिलराज किरार तथा श्री सतेन्द्र सिंह घुरैया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, जिला परियोजना समन्वयक श्री रविन्द्र सिंह तोमर, डाईट की प्राचार्य श्रीमती साधना द्विवेदी व विकासखण्ड मुरार ग्रामीण के बीआरसी श्री निरंजन घुरैया सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की यह सोच है कि गरीब, बेसहारा, पिछड़े और वंचित समुदाय के बच्चों को भी आधुनिक शिक्षा मिले।

संक्षिप्त समाचार

31 आदतन अपराधी जिला बदर

10 अपराधियों को भरने होगें 50 - 50 हजार के बंध-पत्र

ग्वालियर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने 31 आदतन अपराधियों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम की धाराओं के तहत जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। साथ ही 10 आदतन अपराधियों को संबंधित थाने में 50-50 हजार रूपये के बंध पत्र भरने के आदेश दिये हैं। इन अपराधियों को हर माह की पहली व 15 तारीख को संबंधित पुलिस थाने में हाजिरी भी देनी होगी। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर लोक शांति एवं जन सुरक्षा को ध्यान में रखकर जिला दण्डाधिकारी ने यह आदेश जारी किए हैं। जिला दण्डाधिकारी श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने आदतन अपराधी अजय पुत्र छोटेलाल चौहान उम्र 22 साल निवासी सिमरिया टांका थाना घाटीगाँव जिला ग्वालियर के विरूद्ध 6 माह की अवधि के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। इसके साथ ही आदतन अपराधी इसरार उर्फ लाला पुत्र मुबारक खान उम्र 45 साल निवासी शिवहरे कॉलोनी मोहना थाना मोहना, भूपेन्द्र सिंह गुर्जर उर्फ भूपे मावई पुत्र मोहन सिंह उम्र 26 साल निवासी राजवीर स्कूल के पास गुढीगुढा का नाका थाना माधौगंज, गोलू उर्फ कृष्णा डंगस पुत्र हरेन्द्र सिंह गुर्जर उम्र 21 साल निवासी लखमीपुर थाना महाराजपुरा, राहुल सोनकर पुत्र काली उर्फ कालीचरण खटीक उम्र 34 साल निवासी गोसपुरा नं.-1 सब्जी मंडी के पास हजीरा, अश्वनी उर्फ छुन्ना पुत्र श्रीनिवास दुबे उम्र 34 साल निवासी कोटेश्वर मंदिर के पीछे, रंजीत धानुक पुत्र मोहन उर्फ छैनू धानुक उम्र 26 साल निवासी भूरे बाबा की बस्ती छत्री मंडी थाना जनकगंज, प्रमोद जाट पुत्र किशनलाल उर्फ माठू जाट उम्र 32 साल निवासी ग्राम बिलारा थाना हस्तिनापुर, श्याम शर्मा उर्फ बिल्ली पुत्र मोहनलाल उर्फ महेन्द्र उम्र 34 साल निवासी पीएनबी बैंक के पीछे तेली की बजरिया थाना कम्पू, हरेन्द्र उर्फ छोटू पुत्र नथ्था सिंह गुर्जर निवासी ग्राम बागबई थाना भितरवार एवं आमिर उर्फ रिंकू उर्फ डिंकू खान पुत्र शौकत खान उर्फ राजाबाबू उम्र 35 साल निवासी गड्ढा वाला मोहल्ला नाका चन्द्रबदनी थाना झांसी रोड़ को 4 - 4 माह की अवधि के लिये जिला बदर किया गया है। इनके अलावा गोलू उर्फ शिवा पुत्र पप्पू उर्फ सादक शर्मा उम्र 26 साल निवासी तिघरा रोड़ गोल पहाड़िया थाना जनकगंज, महेन्द्र पुत्र गुलाब सिंह बघेल निवासी ग्राम शंकरपुर पिछोर थाना पिछोर, कोकसिंह जाटव पुत्र उत्तम सिंह जाटव निवासी ग्राम रिछारीकला थाना करहिया जिला ग्वालियर, जण्डेल सिंह गुर्जर पुत्र विजय सिंह गुर्जर निवासी चैत गाँव थाना करहिया, विनोद धोबी उर्फ विनोद वर्मा पुत्र राजकुमार धोबी उम्र 38 साल निवासी निम्बालकर की गोठ थाना कम्पू, नंदकिशोर उर्फ भोला उर्फ निखिल शखवार पुत्र प्रकाश उर्फ पप्पू शखवार उम्र 22 साल निवासी चौबे वाली गली लाला का बाजार थाना माधौगंज, राजे उर्फ राजेश पुत्र सावलिया जाटव उम्र 50 साल निवासी गोहिंदा थाना भितरवार, संजय रावत पुत्र जगमोहन रावत उम्र 23 साल पुराने थाने के पास मोहना, प्रकाश राठौर पुत्र शिब्बू उर्फ शिवचरण राठौर उम्र 34 साल निवासी ग्राम बनवार थाना चीनौर, मनोज शर्मा पुत्र धनीराम शर्मा उम्र 39 साल निवासी माधवनगर गल्ला मंडी के पीछे थाना जनकगंज, सचिन गुर्जर पुत्र बीरबल गुर्जर उम्र 25 साल निवासी ग्राम सिरोल थाना सिरोल, चंद्रभान सिंह रावत पुत्र अनंत सिंह रावत निवासी ग्राम सेवई थाना करहिया, शक्ति उर्फ अक्षय जाटव पुत्र बिहारीलाल जाटव उम्र 30 साल निवासी बीजासेन मोहल्ला नाका चंद्रबदनी थाना झांसी रोड़, जितेन्द्र तोमर पुत्र विजय तोमर उम्र 22 साल लाल टिपारा मुरार, कल्ली उर्फ रनवीर गुर्जर पुत्र सुल्तान गुर्जर निवासी ग्राम गेगोली थाना घाटीगाँव, छोटू उर्फ सतेन्द्र कमरिया पुत्र श्री भूरा कमरिया उम्र 27 साल निवासी बुलबुलपुरा घासमंडी थाना ग्वालियर, वीरेन्द्र यादव पुत्र रणवीर यादव उम्र 27 साल निवासी सौसा थाना उटीला, आमेर पुत्र सलीम खान उम्र 35 साल निवासी डाड़ा मोहल्ला मोहना एवं संजू उर्फ डालू पुत्र गोटे सिंह गुर्जर उम्र 23 साल निवासी होतम सिंह का पुरा जारगा उटीला ग्वालियर हाल - रमौआ का पुरा नैनागिर सिरोल थाना जिला ग्वालियर को 3 - 3 माह की अवधि के लिये तथा योगेश डण्डौतिया (जाटव) पुत्र मोहनबाबू जाटव उम्र 31 साल निवासी खेरियापदमपुर थाना महाराजपुरा जिला ग्वालियर को 2 माह की अवधि के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए गए हैं। इन सभी आदतन अपराधियों को ग्वालियर जिला सहित निकटवर्ती भिण्ड, मुरैना, शिवपुरी एवं दतिया जिले की सीमाओं से बाहर चले जाने के आदेश दिए गए हैं।

भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी की तैयारियों को लेकर गोपाल मंदिर का महापौर डॉ.श्रीमती सिकरवार ने किया निरीक्षण

संबंधित अधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा निर्देश
सागरताल का भी किया निरीक्षण

ग्वालियर । ग्वालियर महापौर डॉ.श्रीमती शोभा सतीश सिकरवार ने आज श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को दृष्टिगत रखते हुए फूलबाग स्थित गोपाल मंदिर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल, अपर आयुक्त श्री अतेंद्र सिंह गुर्जर, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला, नोडल अधिकारी पार्क श्री मुकेश बंसल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महापौर श्रीमती सिकरवार ने आज सोमवार को गोपाल मंदिर पंहुचकर पूजा अर्चना की और कहा कि गोपाल मंदिर एतिहासिक होने के साथ-साथ ही आकर्षण का केन्द्र भी है। 19 अगस्त को गोपाल मंदिर पर श्री कृष्ण जन्माष्टमी बडी धूम धाम से मनाई जाएगी। भगवान राधा कृष्ण को बेशकीमती गहनों से श्रृंगार किया जाएगा। इस मौके पर भारी संख्या में लोग भी दर्शन करने पहुंचते है। इसलिये मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रात के समय मंदिर और आकर्षण का केन्द्र बने इसके लिये यहां फ्लाड लाइटें लगाई जाएं। इसके साथ ही यहां पर आधुनिक म्यूजिक सिस्टम लगाया जाए ताकि सुबह शाम भक्ति संगीत बज सके। साथ ही निर्देशित किया गोपाल मंदिर के आस-पास साफ सफाई चाक चौबंद रहना चाहिए और कहा कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी से पहले ही सारी व्यवस्थायें पूर्ण कर ली जायें।

सागरताल का किया निरीक्षण

महापौर श्रीमती शोभा सतीश सिकरवार ने मुहर्रम को दृष्टिगत रखते हुए निगम अधिकारियों के साथ सागरताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि साफसफाई के साथ साथ सुरक्षा के पुक्ता प्रबंध किये जायें, सागरताल आने वाले आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जायें। इस अवसर पर पूर्व नेता पतिपक्ष कृष्णराव दीक्षित , आसिफ अली ,अख्तर हुसैन कुरेशी, मल्लू खान, अपर आयुक्त अतेन्द्र सिंह गुर्जर, सीसीओ शुशील कटारे, नोडल अधिकारी सीवरसेल शिशिर श्रीवास्तव, उपायुक्त हसीन अख्तर सहित समाज के लोग उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। ***E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478***